RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 234 , बुधवार, 07 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पितृ पक्ष की एकादशी पर 24 घंटे का राम नाम संकीर्तन 03

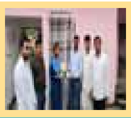

पेंटिंग प्रतियोगिता में आमोदेई की रंजना ने लहराया परचम, राज्य स्तर के लिए चयनित 04

विक्की कौशल की महावतार में तारा सुतारिया, पीछे छुटीं श्रद्धा कपूर... 07

मोदी सरकार के मेड इन इंडिया सिविलियन प्लेन को लेकर बड़ा ऐलान

भारत में दो साल के भीतर उड़ेंगे स्वदेशी यात्री विमान

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय एविएशन सेक्टर को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। देश को आने वाले दो वर्षों में मेड इन इंडिया यात्री विमान मिल सकता है। अभी भारतीय एयरलाइंस कंपनियों के करीब 1600 विमानों के ऑर्डर हैं।

मोदी सरकार ने भारत के पहले स्वदेशी यात्री हवाई जहाज को लेकर बहुत बड़ी बात कही है। सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि आने वाले दो वर्षों में देश में बने स्वदेशी यात्री विमान उड़ान बनने लगेंगे। सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू के अनुसार स्वदेशी यात्री विमानों को निर्माण ज्वाइंट वेंचर में होगा। उन्होंने दिल्ली में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के सिंपोजियम में यह बातें कही हैं।

एविएशन सेक्टर में तेज विकास का दावा- राममोहन नायडू के अनुसार स्वदेशी यात्री विमान ज्वाइंट वेंचर में संभव होगा और उनका दावा कि देश में यह पूरा इकोसिस्टम तेजी से बढ़ता जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इससे ज्यादा कुछ भी खुलासा नहीं किया है।

नायडू के मुताबिक एयरलाइंस कंपनियों के 1,600 से ज्यादा विमानों के ऑर्डर हैं, जिसकी कीमत 100 बिलियन डॉलर अनुमानित है।

उन्होंने एविएशन सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग के लिए बेहतरीन मटेरियल के इस्तेमाल और सक्षम लोगों को शामिल करने पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए हम बेहतरीन नीति बना सकते हैं।

भारत में 100 से ज्यादा नए एयरपोर्ट बनेंगे

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक आने वाले 10 वर्षों में 100 से ज्यादा नए एयरपोर्ट बनने की संभावना है। इस समय देश में 164 एयरपोर्ट हैं और घरेलू एयरलाइंस कंपनियों के पास करीब 850 विमानों का बेड़ा है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार इस समय बोइंग और एयरबस जैसी एयरक्राफ्ट बनाने वाले कंपनियां अपने कंपोनेंट और सर्विस भारत भेजती हैं, जिसकी कीमत करीब 4 बिलियन डॉलर है। इस दशक में यह रकम बढ़कर 10 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

नायडू का कहना है कि भारत वैश्विक शांति का केंद्र भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डोमेस्टिक एविएशन मार्केट में से एक है और डिफेंस प्रोजेक्ट के हब के रूप में भी उभर रहा है।

'हर जहाज पर हिंदुस्तान का नाम'

विशाखापत्तनम में राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, बंगाल की खाड़ी में उतरा नया बाहुबली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से निकलने वाला हर जहाज अपने साथ सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि हिंदुस्तान का नाम लेकर चलता है। उन्होंने इस शिपयार्ड को भारत की समुद्री ताक़त का स्तंभ बताया। रक्षा मंत्री पहली बार एचएसएल के दौरे पर आए थे। विशाखापत्तनम स्थित शिपयार्ड में उन्होंने एक ही सुबह तीन बड़े काम किए। उन्होंने नौसेना के पहले फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस-1) का जलावतरण किया और इसी श्रेणी के पांचवें जहाज एफएसएस-5 की कील रखी।

ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज पर हमला

- 11 भारतीय चालक दल के सदस्य घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे एक कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है।

पनामा के झंडे वाले जहाज एमटी आन पेस पर हुए इस हमले में 11 भारतीय क्रू सदस्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने घटना की जानकारी देते हुए हमले की कड़ी निंदा की है।

यहां जहाजों की आवाजाही पर पहले भी सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आती रही हैं। हमले में जहाज पर सवार 11 भारतीय चालक दल के सदस्य घायल हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट के दो बड़े फैसले

परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र के लिए सरकार का बड़ा ऐलान, कैसे होगा फायदा?

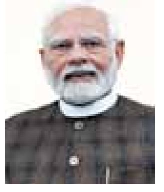

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इन फैसलों में इंटेगरेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना और 10,000 करोड़ रुपये के स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ग्रोथ फंड (एसजीएफ) का गठन शामिल है। ये पहल देश के परिवहन और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों को नई दिशा देंगी।

मप्र में दो बार आयोजित की जाएगी पीएससी की परीक्षा, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन की बड़ी घोषणा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 06 अक्टूबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं से संवाद कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में प्रदेश के 20 हजार से अधिक युवा शामिल हुए। कॉन्क्लेव में युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े अवसरों की जानकारी दी गई और सीएम मोहन ने सीधा संवाद किया। इस दौरान सीएम मोहन ने प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी घोषणाएं भी की। सीएम मोहन ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए ऐलान किया कि अगले वर्ष से मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी की परीक्षा दो बार आयोजित की जाएगी।

गुजरात में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार एसयूवी ट्रेलर ट्रक से टकराई, 7 सात लोगों की दर्दनाक मौत

भावनगर (गुजरात)(एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को उस समय चीख-पुकार मच गई जब हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस घटना में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलसि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुजरात के भावनगर जिले में एक हाईवे पर खड़ी ट्रेलर ट्रक से एसयूवी के टकराने से सात लोगों की मौत हो गई।

स्कूलों में रोजाना संविधान की प्रस्तावना का पाठ अनिवार्य करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी जिसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली के दौरान छात्रों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को इस पीआईएल पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है।

आकाशवाणी भवन परिसर से राहुल गांधी का ऐलान

जब तक जरूरत होगी, डटे रहेंगे,हमें कोई समस्या नहीं है, हम बैठेंगे...

पुलिस ने चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का मार्च रोका

नईदिल्ली (एजेंसी)। आकाशवाणी भवन परिसर से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा,कम से कम जनता का इतना सम्मान तो होना चाहिए कि सांसदों से ये लोग बात करें। ये बात समझें नहीं हैं, मैं ये कह देता हूं और आप लोग लिख लीजिए कि सांसद चुनाव आयोग से मिलेंगे।

उन्हें मिलना ही पड़ेगा। यहां पर देश की आवाज, सांसदों का अपमान किया

गया है। हम सिर्फ चुनाव आयुक्त के पास जाकर सवाल पूछना चाहते हैं और उन्हें कहना चाहते हैं कि आपने वोट चोरी की है।

आप यहां पर कब तक रहने वाले हैं? के सवाल पर उन्होंने आगे कहा, हमें कोई समस्या नहीं है। जितना हमें बैठना है, हम बैठेंगे... हमने कहा है कि अगर आप चाहते हैं तो हमें हटा दीजिए, हमें निकाल दीजिए। अगर आप यहां भी हमारी उपस्थिति को लेकर सहज नहीं हैं तो हमें दिल्ली में कहीं भी जगह दे दीजिए, हम बैठ जाएंगे। हम विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हिंदुस्तान के संविधान में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं?

'हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं, गणेश जी कर रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पार्टी देश में सरकार बदलने और किसी तरह राहुल गांधी को सत्ता में बिठाने की पूरी कोशिश कर रही है। इसके लिए भारतीय लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर एक साथ हमला किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुई है बल्कि यह कई सालों से चल रही है। शुरू से ही कांग्रेस पार्टी ने बार-बार किसी भी तरह से राहुल गांधी को लॉन्च और रिलॉन्च करने की कोशिश की है।

संबित बोले- हमारी मदद गणेश जी कर रहे- संबित पात्रा ने आगे कहा कि हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद गणेश जी कर रहे हैं। बुद्धि, विद्या, ज्ञान और विवेक के देवता गणेश जी हैं। देश की जनता के पास बुद्धि, विवेक, ज्ञान है और जनता जानती है कि परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवादियों के साथ खड़े होने वाले लोगों को वोट नहीं देना है। वोट उसको देना है जिसने कहा है कि मैं देश नहीं झुकने दूंगा।

स्कूली बच्चों के हाथों में तिरंगा और आंखें थी नम

झुंझुनूं के लाल रमन लांबा की आखिरी विदाई

झुंझुनूं (एजेंसी)। देश की रक्षा के लिए अपने बेटों को सीमा और सेना में भेजने वाली शेखावाटी अंचल की माटी ने एक बार फिर अपने लाल को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। झुंझुनूं जिला मुख्यालय से सटे इंडाली गांव के नेवी जवान रमन लांबा की 10 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकालकर उनके पैतृक गांव में सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई। रमन की पार्थिव देह जब तिरंगे में लिपटकर गांव की ओर बढ़ी तो पूरा रास्ता देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

रमन की अंतिम यात्रा झुंझुनूं जिला मुख्यालय से इंडाली तक निकाली गई। तिरंगे से सजे सैन्य वाहन के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के लोग चलते रहे। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्प-वर्षा कर अपने लाडले जवान को श्रद्धांजलि दी।

राजस्थान पंचायत चुनाव के शेड्यूल में बदलाव

पहले, दूसरे और तीसरे चरण का कार्यक्रम बदला

जयपुर (एजेंसी)। दो दिन पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव का नोटिफिकेशन जारी करते हुए चुनाव का पूरा कार्यक्रम जारी किया था। दो दिन बाद ही खुद राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। इस संशोधित कार्यक्रम में चुनाव के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है। पहले, दूसरे और तीसरे चरण की मतदान प्रक्रिया में बदलाव किया गया है जबकि चौथे चरण के चुनाव का शेड्यूल यथावत रखा गया है।

हर कार्य एक दिन पहले किया- निर्वाचन आयोग ने पहले चरण, दूसरे चरण और तीसरे चरण के चुनाव शेड्यूल में बदलाव किया है। इन तीनों चरणों की मतदान प्रक्रिया को एक एक दिन पहले करना तय किया है।

प्रियंका रावत ने योगी के पैर छूकर नामांकन किया

भाजपा के 8 प्रत्याशियों ने राज्यसभा का पर्चा भरा, भाजपाई से भिड़ा सुरक्षाकर्मी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी राज्यसभा चुनाव में भाजपा के 8 प्रत्याशियों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल कर दिया। बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका रावत, श्रुति गंगवार और गोपीकृष्ण पांडेय ने सीएम योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

सबसे पहले धर्मपाल सिंह और सबसे आखिर में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार ने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान भीड़ इतनी थी कि आपाधापी में विधानसभा के समिति कक्ष के दरवाजे के शीशे टूट गए। नामांकन के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता की विधानसभा के सुरक्षाकर्मी से बहस हो गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और गाली-गलौज होने लगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

सपा के राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। मंगलवार को अखिलेश यादव ने तीसरा उम्मीदवार उतारने से इनकार कर दिया।

लखनऊ में मंदिर डूबे

यूपी के 3 जिलों में ओले गिरे

बिहार में बाढ़ से 8 लाख प्रभावित; एमपी-बिहार समेत 9 राज्यों में बारिश का अनुमान

लखनऊ/पटना/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के 9 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 4 दिन बारिश होने का अनुमान है। उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, हिमाचल, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी बारिश की संभावना है।

यूपी के बाराबंकी, प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। आंधी से पेड़-बिजली के पोल गिर गए। पहाड़ों पर बारिश के बाद 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ-सीतापुर समेत 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 8वें दिन बढ़ रहा है।

फैजुल्लागंज में करीब 40 हजार घरों में 4-5 फीट पानी भर गया है। बाढ़ का पानी मां चंद्रिका देवी मंदिर और हनुमंत धाम परिसर में भी पहुंच गया। लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह में करीब 20 साल बाद पानी पहुंचा है। इससे पहले 2006 में ऐसी स्थिति बनी थी।

बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर वोटिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हुई।

इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं। वहीं, मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठाया जा रहा है।

बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप जीता; स्मृति बन सकती हैं अगली कप्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई बीसीसीआई की मीटिंग के बाद आया है। बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई। हरमनप्रीत के बाद स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है।

2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

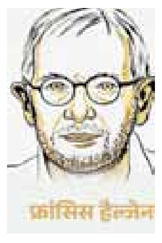

स्टॉकहोम (एजेंसी)। बेल्जियम में जन्मे अमेरिकी वैज्ञानिक फांसिस हैल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है। उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में केवाला की समस्या का समाधान, शिकायतकर्ता ने जताया आभार

हाजीपुर। हाजीपुर में जनता दरबार से आम लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान हो रहा है। इसका फायदा अब शिकायतकर्ताओं को भी मिल रहा है। रुस्तमपुर थाना क्षेत्र के बहरामपुर निवासी मुनारिक राय ने पहले जनता दरबार में केवाला से जुड़ी अपनी पुरानी समस्या डीएम वर्षा सिंह के सामने रखी थी। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को नियम के अनुसार कार्रवाई कर इसे जल्दी निपटाने का निर्देश दिया। इस निर्देश के बाद मामला तुरंत निपटा दिया गया। समस्या का समाधान होने पर मुनारिक राय मंगलवार को दोबारा जनता दरबार पहुंचे और डीएम को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि उनकी समस्या को गंभीरता से सुना गया और समय पर हुई कार्रवाई से उनका लंबे समय से अटका मामला सुलझ गया। डीएम वर्षा सिंह ने कहा कि जनता दरबार का मकसद आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका नियम के अनुसार और समय पर समाधान करना है। लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा कर उन्हें जल्दी निपटाने पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

पुलिसकर्मियों की पीटी परेड, तनाव और लंबी ड्यूटी के बीच मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हो रहा अभ्यास

हाजीपुर। बिहार पुलिस के निर्देश पर पुलिसकर्मियों को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रखने के लिए भगवानपुर थाना परिसर में नियमित पीटी परेड कराई जा रही है। थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और जवान निर्धारित समय पर सामूहिक रूप से शारीरिक अभ्यास में शामिल हो रहे हैं। पीटी परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को व्यायाम, दौड़ समेत अलग-अलग शारीरिक गतिविधियां कराई जा रही हैं। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के साथ उनकी कार्यक्षमता और ऊर्जा को बनाए रखना है। थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि पुलिस की नौकरी में लगातार तनाव, लंबी ड्यूटी और अलग-अलग परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ऐसे में पुलिसकर्मियों का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है। नियमित पीटी परेड से फिटनेस बेहतर रहने के साथ मानसिक तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। स्वस्थ शरीर और सकारात्मक मानसिकता के साथ ही वे आम लोगों की बेहतर तरीके से सेवा कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से थाना स्तर पर पीटी परेड को नियमित किया जा रहा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अभ्यास में पूरी गंभीरता के साथ शामिल होने और अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देने को कहा। नियमित पीटी परेड में पुलिस पदाधिकारी और जवान एक साथ अभ्यास करते हैं। इससे उनमें अनुशासन और टीम भावना भी मजबूत होती है। अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास का उद्देश्य केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ाना नहीं, बल्कि पुलिसकर्मियों को मानसिक रूप से भी मजबूत और तनावमुक्त रखना है। थाना परिसर में नियमित हो रही पीटी परेड को पुलिसकर्मियों की स्वास्थ्य और कार्यक्षमता से जोड़कर देखा जा रहा है।

ड्यूटी से लौट रहे गार्ड की सड़क हादसे में मौत, बाइक की ठोकर से साइकिल सवार बुजुर्ग की गई जान

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रामदौली हाई स्कूल के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार 65 साल के व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए बिदुपुर पीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रामदौली गांव निवासी स्वर्गीय रामशेवक सिंह के पुत्र रामनरेश सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामनरेश सिंह बिदुपुर में एक टावर पर गार्ड की ड्यूटी करते थे। ड्यूटी खत्म करने के बाद वह साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रामदौली हाई स्कूल के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी साइकिल में ठोकर मार दी। टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल रामनरेश सिंह को तत्काल बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र हेमंत कुमार ने बताया कि उनके पिता ड्यूटी खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रामदौली हाई स्कूल के पास बाइक ने उनकी साइकिल में ठोकर मार दी। इलाज के लिए पहले बिदुपुर पीएचसी और फिर हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। परिजनों के अनुसार, रामनरेश सिंह तीन भाइयों और तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटे और दो बेटियां हैं। हादसे के बाद पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी ली। पुलिस हादसे के कारणों और घटना में शामिल मोटरसाइकिल के संबंध में जांच कर रही है।

पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट गहमर स्टेशन पर रुकेगी, दोनों दिशाओं में 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव

हाजीपुर। हाजीपुर के गहमर स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव शुरू किया जा रहा है। रेलवे के अनुसार, 6 अक्टूबर से ट्रेन संख्या 12142/12141 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में 2 मिनट के लिए प्रायोगिक ठहराव करेगी। ट्रेन संख्या 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 अक्टूबर से गहमर स्टेशन पर दोपहर 12:44 बजे पहुंचेगी और 12:46 बजे रवाना होगी। इससे गहमर और आसपास के यात्रियों को लंबी दूरी की इस ट्रेन की सुविधा मिल सकेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 12141 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस 7 अक्टूबर से रात 1:20 बजे गहमर पहुंचेगी और 1:22 बजे आगे रवाना होगी। दोनों दिशाओं में ठहराव की अवधि दो मिनट निर्धारित की गई है। गहमर में ठहराव शुरू होने के कारण ट्रेन संख्या 12141 के बक्सर स्टेशन पर समय में भी बदलाव किया गया है। 7 अक्टूबर से यह ट्रेन बक्सर में रात 1:36 बजे पहुंचेगी और 1:38 बजे रवाना होगी। रेलवे ने यह बदलाव यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया है। गहमर में ठहराव फिलहाल प्रायोगिक आधार पर शुरू किया गया है।

रानीपुर में सहयोग शिविर में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी

एजेंसी, पटना

अधिकारियों को समयबद्ध निष्पादन पर जोर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी मंगलवार को राजकीय मध्य विद्यालय, रानीपुर, दरभंगा सदर में आयोजित सहयोग शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शिविर में मौजूद अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। संजय सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक माह के प्रथम और तीसरे मंगलवार को बारी-बारी से सभी पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को ऑनलाइन आवेदन करने में परेशानी है, वे अधिकारियों को आवेदन दें। ऐसे आवेदनों को रजिस्टर में दर्ज कर 24 घंटे के भीतर सीएम पोर्टल पर अपलोड किया जाना है और 30 दिनों के अंदर उनका निष्पादन सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को किसी आवेदन के निष्पादन से संतुष्टि नहीं है, तो वह सीएम पोर्टल पर दोबारा शिकायत दर्ज कर सकता है। प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को मुख्यमंत्री स्तर पर ऐसे मामलों की समीक्षा की जाती है। इसके अलावा 6, 7 और 8 अक्टूबर को सभी प्रखंडों में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां लोग अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन कर सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। प्रत्येक पंचायत में प्लस टू विद्यालय शुरू होने से बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम हुआ है। इसका परिणाम है कि उच्चतर शिक्षण संस्थानों में नामांकन की संख्या 2005 के लगभग चार लाख से बढ़कर आज करीब 27 लाख हो गई है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे डिजिटल सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लाइव शिक्षकों के माध्यम से बच्चों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। पिछले महीने करीब 1.70 लाख बच्चों ने देर रात तक इस सुविधा का उपयोग कर पढ़ाई से संबंधित सहायता ली। संजय सरावगी ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय की स्थिति का भी जायजा लिया और प्रखंड विकास पदाधिकारी को कायाकल्प योजना के तहत विद्यालय की मरम्मत का एस्टिमेट तैयार कर भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आवश्यक राशि उपलब्ध कराकर जल्द मरम्मत कार्य कराया जाएगा। उन्होंने पात्र लोगों से राशन कार्ड के लिए आवेदन करने की अपील की और कहा कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे वर्चुअल संबोधन

एजेंसी, पटना

2047 के भारत का लिया जाएगा सामूहिक संकल्प : प्रीति शेखर

पटना में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन 7 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे मिलर हाई स्कूल मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर भाजपा की प्रदेश महासचिव एवं पटना कार्यक्रम की संयोजक प्रीति शेखर ने बताया कि सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे।

प्रीति शेखर ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित सरकार के अन्य मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के बाद विकसित भारत के निर्माण को लेकर सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। इस दौरान वर्ष 2047 तक भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और मजबूत राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से पूरा होने वाला संकल्प है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है।

प्रीति शेखर ने बताया कि संकल्प सभा के बाद सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। इसके तहत मीठापुर ब्रिज का नामकरण सेवा ज्योति चौक किया गया है। वहां से यात्रा तारामंडल, हड़ताली मोड़, गांधी मैदान, इस्कॉन टेंपल और आर ब्लॉक होते हुए आगे जाएगी। यात्रा के माध्यम से सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए नागरिकों की सक्रिय सहभागिता जरूरी है।

सेवा ज्योति यात्रा इसी भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।

स्कूल में क्लास के दौरान गिरा पंखा, 3 छात्राएं घायल

एजेंसी, पटना

मोकामा के मध्य विद्यालय पचमहला में मंगलवार को एक हादसा हुआ। क्लास के दौरान छत से पंखा टूटकर नीचे गिर गया, जिससे तीन छात्राएं घायल हो गईं। उन्हें मोकामा के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, लंच खत्म होने के बाद छठी कक्षा की छात्राएं पढ़ाई कर रही थीं। तभी छत में लगा पुराना पंखा अचानक बैठी छात्राओं पर गिर गया। हादसे के बाद क्लास में चीख-पुकार मच गई।

घायल छात्राओं को तुरंत शिक्षकों और स्थानीय लोगों की मदद से ट्रामा सेंटर ले जाया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि छात्राओं की हालत खतरे से बाहर है।

घायल छात्राओं का नाम अमिका कुमारी, रिया कुमारी और अमृता कुमारी है। ये सभी छठी क्लास की छात्रा हैं। क्लास रूम में ये सभी बच्चियां पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान पंखा लड़कियों के सिर पर गिर गया, जिसमें तीन छात्रा घायल हो गईं।

इस हादसे के बाद सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं। अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पंखे और बिजली के उपकरणों की जांच समय पर क्यों नहीं की गई।

ग्रामीणों ने मामले की जांच और दोषी स्कूल प्रबंधन व अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी घटना की सूचना मिलने के बाद मामले की जांच कर रहे हैं।

ग्राम कचहरी न्याय मित्र संघ का तीन दिवसीय धरना 30 हजार मानदेय की मांग, सरकार को चेतावनी

एजेंसी, पटना

गर्दनीबाग धरना स्थल पर ग्राम कचहरी न्याय मित्र संघ द्वारा तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। आज सभी लोग ने प्रदर्शन करते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं होगी तो फिर एक बड़े स्तर पर आंदोलन होगा और सभी कर्मचारी आमरण अनशन पर बैठेंगे। उनकी मांग है कि उनके मानदेय को 7000 हजार रुपए महीना से बढ़ाकर 30 हजार रुपए महीना किया जाए। न्याय मित्र संघ के राज्य अध्यक्ष रामाशंकर राय ने कहा कि ये सभी कर्मचारी 2007 से काम कर रहे हैं और 2015 में मानदेय 7000 महीना किया गया। इसके बाद अन्य लोगों के मानदेय में बढ़ोतरी हुई मगर हम लोग का मानदेय फिर नहीं बढ़ाया गया। पंचायती राज विभाग के सेक्रेटरी ने एक पत्र जारी कर दिया जिसमें 1 जुलाई 2025 से हमारा मानदेय बढ़ाने की बात कही गई है। मगर ऐसा कुछ भी नहीं है हमारी मांग है कि अभी हमारा मानदेय जो 7000 है, उसमें सम्मानजनक वृद्धि करते हुए 30000 महीना किया जाए। मानदेय वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर न्यायमित्र संघ द्वारा मुख्यमंत्री, पंचायती राज मंत्री तथा विभागीय अधिकारियों से कई बार मिलकर और पत्रों के माध्यम से मांग रखी गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण न्यायमित्र आंदोलन के लिए बाध्य हुए हैं।

प्रदर्शन करने वाले न्याय मित्रों ने क्या कहा? प्रदर्शन कर रहे सदस्यों ने कहा कि सरकार को न्याय मित्रों के मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी करनी चाहिए। बिहार राज्य ग्राम कचहरी न्यायालय के डॉ. उदय नारायण प्रसाद ने कहा कि न्याय मित्र विधि स्नातक हैं और संविदा पर बहाल हैं। उन्हें भी संविदा कर्मियों को मिलने वाली सुविधाएं मिलनी चाहिए। सरकार न्याय मित्रों को 30 से 40 हजार रुपये तक मानदेय दे।

न्याय मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष नवल किशोर प्रसाद ने कहा कि वर्ष 2015 से अब तक न्याय मित्रों को मात्र 7 हजार रुपये मानदेय मिल रहा है। यह उचित नहीं है। सरकार मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये करे। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। न्याय मित्र रामशंकर राय ने कहा कि सरकार ने 1 जुलाई 2025 से मानदेय बढ़ाने का पत्र जारी किया था, लेकिन आज तक इसे लागू नहीं किया गया है। सरकार हमारी मांगों को जल्द लागू करे, अन्यथा आंदोलन किया जाएगा। न्याय मित्र प्रभात कुमार ने कहा कि सरकार ने न्याय मित्रों के साथ अन्याय किया है। हमें लोगों को न्याय दिलाने के लिए पद दिया गया है, लेकिन हमारे साथ ही अन्याय हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश से न्याय मित्रों के मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी करने की मांग की।

पिपरा में पुलिस छापेमारी के दौरान मचा हड़कंप पुनपुन नदी में कूदे 50-60 लोग, डूबने से दो की मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के बेहरावां गांव में मंगलवार को पुलिस की छापेमारी के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई। पुलिस की भारी मौजूदगी और कार्रवाई से बचने के लिए करीब 50 से 60 लोगों के पुनपुन नदी में छलांग लगाने की बात सामने आई है। इस दौरान नदी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पुलिस ने अचानक बेहरावां गांव को चारों तरफ से घेर लिया। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही गांव में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। कार्रवाई से बचने के लिए कई लोग नदी की ओर भागने लगे और देखते ही देखते करीब 50-60 लोगों ने पुनपुन नदी में छलांग लगा दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान कुछ लोगों की ओर से पुलिस पर ईंट-पत्थर भी चलाए गए। इसके बाद पुलिस की ओर से भी नदी की तरफ ईंट-पत्थर फेंके जाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों के मुताबिक, पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए नदी में कूदे लोग तैरकर दूसरे किनारे जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान नदी के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। आरोप है कि लगातार ईंट-पत्थर गिरने के कारण नदी में मौजूद लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। जो लोग तैरने में सक्षम थे, वे किसी तरह नदी के दूसरे किनारे पहुंच गए और अपनी जान बचाने में सफल रहे। लेकिन सभी लोग सुरक्षित बाहर नहीं निकल सके।

घटना में फुलवारी शरीफ के ढिबरा निवासी आकाश मांझी और करीब 60 वर्षीय राम मांझी की नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि आकाश मांझी अपनी नानी के घर बेहरावां आया हुआ था। पुलिस कार्रवाई के दौरान मची भगदड़ के बीच वह भी नदी में कूद गया था।

दो लोगों की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर काफी आक्रोश और भय का माहौल बताया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की भारी मौजूदगी और कार्रवाई के बाद गांव के कई लोग अपने घर छोड़कर चले गए हैं। वहीं, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी किए जाने की बात भी सामने आ रही है। घटना के बाद गांव में पुलिस बल की तैनाती बनी हुई है।

फिलहाल पुलिस की छापेमारी के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों के नदी में कूदने की वास्तविक वजह, पुलिस कार्रवाई का उद्देश्य और दोनों मौतों की परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत जानकारी का इंतजार है। ईंट-पत्थर चलाने तथा पुलिस की ओर से नदी में पत्थर फेंके जाने के ग्रामीणों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के बाद बेहरावां गांव में तनाव, दहशत और मातम का माहौल बना हुआ है।

गेस्ट हाउस से 9 युवतियां और 6 युवक पकड़ाए, मैनेजर से पूछताछ

एजेंसी, पटना

पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में बिहटा-सरमेरा मार्ग पर स्थित एक गेस्ट हाउस में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान गेस्ट हाउस के अलग-अलग कमरों से 9 युवतियों और 6 युवकों को आपत्तिजनक स्थिति में हिरासत में लिया गया। पुलिस को गेस्ट हाउस में युवक-युवतियों के ठहरने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई की। सभी हिरासत में लिए गए लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस गेस्ट हाउस के रजिस्टर की भी जांच कर रही है। शुरुआती जांच में आशंका है कि रजिस्टर में ठहरे लोगों की पूरी जानकारी सही से दर्ज नहीं थी। पुलिस गेस्ट हाउस के मैनेजर से भी पूछताछ कर रही है कि पहचान का सत्यापन कैसे होता था। हिरासत में ली गई युवतियों की उम्र करीब 22 से 30 साल और युवक की उम्र 21 से 25 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये लोग गेस्ट हाउस में क्यों ठहरे थे और उनके बीच क्या संबंध हैं। पुलिस ने हिरासत में ली गई युवतियों के परिजनों से भी संपर्क कर उनके संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। वहीं, गेस्ट हाउस के संचालन और वहां आने-जाने वाले लोगों के रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी 1 उमेश्वर चौधरी ने बताया कि सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है।

भोजपुरी गीत में आपत्तिजनक एवं जातिसूचक सामग्री के मामले में मंत्री डॉ प्रमोद कुमार सख्त, साइबर पुलिस को कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, पटना

कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ प्रमोद कुमार ने विवादित भोजपुरी गीत के मामले में साइबर आईजी एवं साइबर एसपी को विधि-सम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए है। मंत्री ने यूट्यूब पर प्रसारित होने वाले गीतों में लिरिक (शब्द), वीडियो (दृश्य), ऑडियो-विजुअल प्रेजेंटेशन (तकनीकी और रचनात्मक मिश्रण) और डिजिटल कॉन्टेक्स्ट (मेटाडेटा और एंगेजमेंट) की जांच के साथ डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने को कहा है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि लोकगीत-संगीत की आड़ में अश्लीलता, फूहड़ता, जातिसूचक अथवा किसी वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री स्वीकार नहीं की जाएगी। मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने वायरल भोजपुरी गीत, जिसमें जाति सूचक तथा अश्लिल शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, से संबंधित विवाद का संज्ञान लेते हुए मामले में आवश्यक साइबर जांच एवं विधि-सम्मत कार्रवाई के लिए साइबर आईजी एवं साइबर एसपी को निर्देश दिया है। यह गीत यूटूब सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने के बाद आपत्तियों के घेरे में आया है। मामले में नाई/सैन समाज की ओर से भी ज्ञापन सौंपकर संबंधित वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने तथा गायक के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

प्रतिनिधिमंडल में संदीप ठाकुर, कृष्ण ठाकुर, अखिलेश शर्मा, देव किशन ठाकुर, सतीश ठाकुर सहित अन्य लोग शामिल थे। मंत्री डॉ प्रमोद कुमार ने कहा कि

लोकगीत एवं लोकसंगीत बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके माध्यम से समाज और संस्कृति की सकारात्मक अभिव्यक्ति होनी चाहिए। लोकगीत-संगीत के नाम पर अश्लीलता, फूहड़ता, जातिसूचक टिप्पणी अथवा किसी समुदाय, व्यक्ति या विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मंत्री ने साइबर पुलिस से कहा है कि उपलब्ध वीडियो एवं डिजिटल सामग्री की निष्पक्ष जांच की जाए। जांच के दौरान गीत के यूट्यूब पर प्रसारित होने वाले गीतों में लिरिक (शब्द), वीडियो (दृश्य), ऑडियो-विजुअल प्रेजेंटेशन (तकनीकी और रचनात्मक मिश्रण) और डिजिटल कॉन्टेक्स्ट (मेटाडेटा और एंगेजमेंट) जैसे का परीक्षण किया जाए। यदि सामग्री में किसी जाति, समुदाय या व्यक्ति के विरुद्ध अपमानजनक, मानहानिकारक, अश्लील अथवा सामाजिक वैमनस्य उत्पन्न करने वाली सामग्री पाई जाती है, तो संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

साथ ही, मामले में डिजिटल साक्ष्य को सुरक्षित रखने पर भी विशेष जोर दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित कानूनी प्रक्रिया पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके बाद लागू विधिक प्रावधानों एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संबंधित डिजिटल सामग्री को हटाने अथवा रोकने की कार्रवाई की जाएगी। माननीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करना नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, नागरिकों की गरिमा तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करना है। सरकार ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

महिला से मारपीट का वायरल वीडियो निकला पुराना, एक साल पहले हुई मौत से जुड़ा मामला; हत्या का केस दर्ज

बीएनएम@ मोतिहारी। सोशल मीडिया पर संग्रामपुर थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ मारपीट का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद मोतिहारी पुलिस ने मामले की तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस के अनुसार वायरल फोटो-वीडियो करीब एक वर्ष पुरानी घटना से संबंधित है और इसका संबंध 2 अक्टूबर 2025 को हुई महिला की संदिग्ध मौत से है। पुलिस के मुताबिक 2 अक्टूबर 2025 को संग्रामपुर थाना क्षेत्र के परसौना निवासी निकेश कुमार सिंह की पत्नी मंजू देवी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। महिला का शव फंदे से लटका मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों के समक्ष वीडियोग्राफी कर शव को फंदे से उतारा था। उस समय मृतका के परिजनों की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई थी। बाद में मृतका के भाई सुमित कुमार सिंह, निवासी शीतल सिंह, थाना गोविंदगंज, ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने के संबंध में पुलिस को लिखित आवेदन दिया था। आवेदन के आधार पर थाने में सनहा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार घटना से संबंधित फोटो-वीडियो करीब एक वर्ष बाद सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। पुलिस ने बताया कि वायरल सामग्री सामने आने के बाद मृतका के भाई ने अपनी बहन की मौत के संबंध में संदिग्ध परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरेराज के समक्ष आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर संग्रामपुर थाना कांड संख्या 356/26, दिनांक 26 सितंबर 2026 को हत्या की धारा में दर्ज किया गया। मामले में कुल पांच आरोपितों, जिसमें तीन प्राथमिक और दो अप्राथमिकी आरोपित शामिल हैं, की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की गई है। मामले के अनुसंधान के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरेराज के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों और अनुसंधान से प्राप्त तथ्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, परिजनों द्वारा तत्कालीन थानाध्यक्ष पर लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

शौच के लिए घर से निकली महिला की वज्रपात से मौत

बीएनएम@ तुरकौलिया। तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर एक स्थित दलित बस्ती में मंगलवार की सुबह वज्रपात की चपेट में आने से 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान बस्ती निवासी कपिलदेव मांझी की पत्नी जानकी देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि जानकी देवी मंगलवार सुबह करीब पांच बजे शौच के लिए घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया और तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से जानकी देवी गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अचानक हुई घटना से पूरी बस्ती में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि बारिश और गरज-चमक के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इस दौरान खुले स्थान पर जाने से बचने की अपील की गई।

जीएमसीएच परिसर से नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोप, चार घंटे में आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया। जीएमसीएच बेतिया परिसर के समीप नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की लिखित शिकायत पर नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना की सूचना मिलने के महज चार घंटे के भीतर मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, जीएमसीएच में इलाजरत एक महिला की 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री को अस्पताल के ही एक संविदा/लैब कर्मी द्वारा बहला-फुसलाकर अस्पताल परिसर के बाहर स्थित अपने डेरा पर ले जाने और दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर छापेमारी शुरू की। नगर थाना में कांड संख्या 595/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित रवीरंजन, पिता कमलेश यादव, निवासी हरदिया भुवाल, थाना मटियरिया को मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार सूचना प्राप्त होने के चार घंटे के भीतर गिरफ्तारी की गई। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। संवेदनशील मामले के अनुसंधान की जिम्मेदारी महिला पुलिस पदाधिकारी को सौंपी गई है। घटनास्थल, अस्पताल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज समेत अन्य तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ समयबद्ध तरीके से आरोप-पत्र न्यायालय में समर्पित कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सजा दिलाने की बात कही है।

पितृ पक्ष की एकादशी पर 24 घंटे का राम नाम संकीर्तन

बीएनएम@ मोतिहारी

पितृ पक्ष के दौरान आने वाली एकमात्र एकादशी को सनातन धर्म में पितरों की तृप्ति, मोक्ष और सद्गति के लिए विशेष महत्व दिया गया है। इसी अवसर पर देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में 24 घंटे के अखंड राम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। राम नाम संकीर्तन के यजमान निलेश रंजन एवं मनीष रंजन ने विधिवत संकल्प लेकर अनुष्ठान से प्राप्त पुण्य को अपने स्वर्गीय माता-पिता को समर्पित किया। पूजा-अर्चना एवं संकल्प की विधि पंडित सुधीर पांडे ने संपन्न कराई। इस अवसर पर पंडित सुधीर पांडे ने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी व्रत एवं इससे अर्जित पुण्य को पितरों को समर्पित करने से उनकी तृप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इससे पितरों को सद्गति और मोक्ष की प्राप्ति होती है तथा परिवार पर पितृ दोष का प्रभाव भी समाप्त होता है। साथ ही भगवान विष्णु एवं पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होने की मान्यता है। आश्रम में

आयोजित 24 घंटे के अखंड राम नाम संकीर्तन में विनीता कुमारी की मंडली ने भक्तिमय प्रस्तुति दी। संकीर्तन के दौरान आश्रम परिसर राम नाम के जयघोष और भक्ति गीतों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ अनुष्ठान में भाग लिया और अपने पितरों की शांति एवं सद्गति के लिए प्रार्थना की। यह जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता राम भजन द्वारा दी गई है।

3.6 लीटर शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, पहले से दर्ज हैं तीन मामले

बीएनएम@ मोतिहारी

बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शराब कारोबारी मुसाफिर राय को 3.6 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बीजधरी निजामत वार्ड नंबर-9 निवासी स्व. फकीरचंद राय के पुत्र मुसाफिर राय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मुसाफिर राय के पास से ऑफिसर चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की की 20 बोतलें बरामद की गईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 3.6 लीटर बताई गई है। मामले में बीजधरी थाना कांड संख्या 109/26 दर्ज किया गया है। इसमें बीएनएस की धारा 111(2) और बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपित का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ बीजधरी थाना में कांड संख्या 22/25, दिनांक 3 अप्रैल 2025 तथा कांड संख्या 31/25, दिनांक 2 मई 2025 दर्ज है। दोनों मामले बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज किए गए थे। इसके अलावा वर्तमान मामले में कांड संख्या 109/26 दिनांक 5 अक्टूबर 2026 को दर्ज किया गया है।

विश्व शिक्षक दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार ने आयोजित किया विशेष ऑनलाइन क्विज, 2500 से अधिक को मिला डिजिटल प्रमाण-पत्र

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से 'विश्व शिक्षक दिवस विशेष ऑनलाइन क्विज 2026' का आयोजन किया गया। शिक्षकों में ज्ञानवर्धन, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और शैक्षणिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस ऑनलाइन क्विज में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज में विश्व शिक्षक दिवस, शिक्षा, शिक्षक की भूमिका, भारतीय शिक्षा व्यवस्था, सामान्य ज्ञान तथा शिक्षण-अधिगम से संबंधित विषयों पर आधारित 20 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी जानकारी एवं समझ का प्रदर्शन किया। आयोजन में 2500 से अधिक प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने कहा कि विश्व शिक्षक दिवस शिक्षकों के योगदान और समर्पण को याद करने के साथ-साथ शिक्षा में निरंतर सीखने और नवाचार की संस्कृति को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए ऐसे आयोजन उनके ज्ञान को समृद्ध करने के साथ उन्हें एक-दूसरे से सीखने का अवसर भी प्रदान करते हैं। तकनीकी टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि डिजिटल माध्यम ने शिक्षकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव साझा करने की संभावनाओं को और व्यापक बनाया है। टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को तकनीक और सीखने के नए अवसरों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। क्विज क्रिएटर -सह- प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि क्विज के माध्यम से शिक्षकों को विश्व शिक्षक दिवस से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों के साथ शिक्षा और शिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जानने-समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों की बड़ी संख्या में भागीदारी यह बताती है कि शिक्षक समुदाय सीखने और अपने ज्ञान को अद्यतन करने के प्रति गंभीर है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार का उद्देश्य शिक्षकों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे सीख सकें, अपने अनुभव साझा कर सकें और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के सहभागी बन सकें। टीचर्स ऑफ बिहार ने क्विज में शामिल सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ट्रक के विशेष तहखाने से 724 लीटर शराब बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

» 70 कार्टन विदेशी शराब और 10 कार्टन बीयर जब्त, चालक व खलासी गिरफ्तार

मद्य निषेध विभाग की टीम ने मंगलवार को जिला के मेहसी के समीप वाहन जांच के दौरान एक उत्तर प्रदेश नंबर- UP 86 T 0511 आयसर ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर बरामद की। ट्रक में बने विशेष तहखाने में शराब छिपाकर ले जाई जा रही थी। मद्य निषेध निरीक्षक शिवेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सहायक अवर निरीक्षक जुल्फिकार अंसारी एवं रमेश कुमार, सिपाही रवि कुमार तथा गृह रक्षक बल के जवानों की टीम वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान संदिग्ध आयसर ट्रक की तलाशी लेने पर उसके अंदर बने विशेष तहखाने से ऑफिसर च्वाइस ब्रांड की 70 कार्टन में कुल 604 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। इसके अलावा किंगफिशर ब्रांड की 10 कार्टन में 120 लीटर बीयर भी जब्त की गई। मौके से ट्रक चालक प्रिंस यादव और खलासी नन्दू यादव को पकड़ा गया। दोनों उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के निवासी बताए गए हैं। मद्य निषेध विभाग के अनुसार, कार्रवाई में कुल 724 लीटर विदेशी शराब व बीयर जब्त की गई है। पुलिस एवं मद्य निषेध विभाग की टीम आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान, कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

जिला की 90 पंचायतों में आयोजित हुआ सेवा सेतु शिविर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले की कुल 90 पंचायतों में मंगलवार को सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लोक सेवाओं का लाभ आमजनों तक सुगमता से पहुंचाना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने निर्धारित काउंटर पर उपस्थित रहे। उन्होंने आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की।

सेवा सेतु शिविर में ग्रामीणों द्वारा सड़क, आवास, राशन, पेंशन, राजस्व, मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, पेयजल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों से पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना गया तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा संधारित किया गया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। शिविर के दौरान आम नागरिकों को विभिन्न लोक सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इस क्रम में जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं मनरेगा जॉब कार्ड सहित आवश्यक प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। इससे ग्रामीणों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही सरकारी सेवाओं का लाभ मिला और उन्हें प्रखंड अथवा जिला मुख्यालय का अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली। सेवा सेतु शिविर में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, आपूर्ति विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, स्वास्थ्य विभाग, आवास विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से तत्काल निष्पादन योग्य आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया गया, जबकि शेष आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी श्री यादव ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना तथा सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का विभागवार संधारण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए और लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। शिविर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं लोक सेवाओं की जानकारी भी दी गई। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से प्रशासन एवं आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ तथा ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे पदाधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला। जिले के वरीय पदाधिकारियों ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सेवा सेतु शिविर में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, संबंधित पंचायतों के माननीय मुखिया, वार्ड सदस्य, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आर्म्स एक्ट के वांछित नरेश पांडेय पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित

बीएनएम@ मोतिहारी

छतौनी थाना क्षेत्र के आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त नरेश पांडेय पर मोतिहारी पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस के अनुसार, नरेश पांडेय छतौनी बाजार आसमानराय टोला निवासी जगदीश पांडेय का पुत्र है और छतौनी थाना कांड संख्या 390/26 में वांछित है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि नरेश पांडेय के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति को 10 हजार रुपये की इनाम राशि दी जाएगी और उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। सूचना के लिए पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी के संपर्क नंबर 9031827100 पर जानकारी दी जा सकती है। पुलिस के अनुसार नरेश पांडेय के खिलाफ विभिन्न थानों में 2009 से 2026 तक कुल 18 मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, जबरन वसूली, अपहरण, चोरी और जालसाजी समेत अन्य मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ छतौनी थाना में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, जबरन वसूली, अपहरण, जालसाजी व हत्या के मामले दर्ज हैं। इसके अलावा नगर, मुफ्फसिल और पिपराकोठी थाना में भी मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इनमें पिपराकोठी थाना कांड संख्या 04/2020 और छतौनी थाना कांड संख्या 289/2021 हत्या से संबंधित हैं, जबकि वर्ष 2025 और 2026 में भी हत्या के प्रयास व जबरन वसूली के मामले दर्ज किए गए हैं।

एमजीसीयू में 'स्टूडेंट फॉर सेवा' कार्यक्रम, विश्वविद्यालय और एसएफएस के बीच एमओयू

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, सामुदायिक सहभागिता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व से जोड़ने के उद्देश्य से 'स्टूडेंट फॉर सेवा' संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं 'स्टूडेंट फॉर सेवा' के बीच सामाजिक सेवा और छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

कार्यक्रम में एसएफएस के राष्ट्रीय प्रमुख भवानी शंकर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, उत्तर बिहार प्रांत के संगठन मंत्री राकेश मौर्य, प्रांत सेवार्थ विद्यार्थी प्रमुख एवं हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन श्रीवास्तव, संस्कृत विभाग के अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. प्रसून दत्त सिंह, समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सहायक आचार्य डॉ. मृत्युंजय सिंह तथा उत्तर बिहार एसएफएस के प्रांत संयोजक जितेंद्र जी मंचासीन रहे। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने छात्र जीवन में सेवा, सामाजिक सहभागिता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। सेवा गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता से उनमें सामाजिक संवेदनशीलता, सहयोग की भावना और सामुदायिक उत्तरदायित्व विकसित होता है। वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। सेवा कार्यों के माध्यम से वे समाज की वास्तविक परिस्थितियों और विभिन्न चुनौतियों को करीब से समझ सकते हैं तथा अपने ज्ञान एवं क्षमताओं का उपयोग सामाजिक हित में कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने तथा सेवा कार्यों को संस्थागत रूप से आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। इसके तहत विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता, सेवा और सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा। एमजीसीयू और 'स्टूडेंट फॉर सेवा' के बीच हुआ यह समझौता ज्ञापन विद्यार्थियों को सेवा गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय और समाज के बीच सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्वी चंपारण के खिलाड़ी का अंडर- 25 राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन, पटना में चल रहा प्रशिक्षण शिविर

» राष्ट्रीय लॉन बाउल्स चैंपियनशिप में खेलेंगे चितरंजन

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के ढाका प्रखंड के परसा निवासी एवं राष्ट्रीय लॉन बाउल्स खिलाड़ी चितरंजन कुमार का ओडिशा में आयोजित होने वाली पहली अंडर-18 एवं छठी अंडर- 25 राष्ट्रीय लॉन बाउल्स चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। उनके चयन से जिले के खेल प्रेमियों में खुशी है। चितरंजन कुमार वर्तमान में उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा कार्यालय, पूर्वी चंपारण में प्रतिनियुक्त कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चयनित खिलाड़ियों के लिए पटना स्थित गुलजारबाग खेल

परिसर में 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसमें चितरंजन भी प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना से मिली नियुक्ति- बिहार सरकार की 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के तहत राष्ट्रीय खिलाड़ी चितरंजन कुमार को समाहरणालय, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी में निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्ति मिली है। खेल के क्षेत्र में उपलब्धि के साथ सरकारी सेवा में अवसर मिलने से उनके गांव और जिले के लोगों में भी उत्साह है। चितरंजन के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन पर खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने बधाई दी है। लोगों ने उम्मीद जताई कि वह प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे। खेल प्रेमियों का कहना है कि उनके चयन से जिले में लॉन बाउल्स खेल को बढ़ावा मिलेगा और युवा खिलाड़ी भी इस खेल के प्रति आकर्षित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

अपराध नियंत्रण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बीएनएम @ बगहा। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस सभागार में सितंबर 2026 की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित हुई। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा की सुरक्षा, लंबित कांडों, वारंट, गश्ती, वाहन जांच, शराबबंदी एवं अवैध बालू खनन की समीक्षा की गई। एसपी ने अधिकारियों को लंबित मामलों का समय पर निष्पादन, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और नियमित गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुलिस पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि खराब प्रदर्शन पर कार्रवाई होगी। सितंबर में बगहा पुलिस जिले में 411 गिरफ्तारियां हुईं, जिनमें 249 कांडों तथा 162 वारंट से संबंधित थीं। इस दौरान 314 बीडब्ल्यू, 628 एनबीडब्ल्यू और 54 कुर्की का निष्पादन किया गया। पुलिस ने 1,586.775 लीटर शराब बरामद की तथा वाहन जांच में 24.19 लाख रुपये जुर्माना वसूला। बैठक में सभी एसडीपीओ, थानाध्यक्ष एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवा सेतु शिविर में मिला योजनाओं का लाभ

बीएनएम @ बेतिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत पश्चिम चंपारण जिले में 06 से 08 अक्टूबर तक सेवा सेतु शिविर 'सरकार आपके द्वार' का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को जिले की चयनित पंचायतों एवं नगर निकायों में शिविर लगाए गए। शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभुकों से आवेदन लिए गए। विभागीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने लोगों की समस्याएं सुनकर आवश्यक कार्रवाई की। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश पर नोडल पदाधिकारियों ने शिविरों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन ने लोगों से शिविर में पहुंचकर पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव

बीएनएम @ बगहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग का अभियान लगातार जारी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बगहा-2 के अंतर्गत विभिन्न इलाकों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. के.बी.एन. सिंह के निरीक्षण में लोगों को साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मेडिकल टीम के चलंत दल ने बगहा नगर के वार्ड संख्या-5 में पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की और जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित कीं। स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ के बाद जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को साफ-सफाई रखने और सतर्क रहने की सलाह दी।

नहर में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, मची सनसनी

बीएनएम @ बेतिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बेतिया-नौतन मुख्य मार्ग स्थित बड़ा नहर में अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने नहर में शव तैरता देखा और तत्काल इसकी सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव की पहचान कराने के साथ-साथ यह पता लगाने में जुटी है कि व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव नहर तक कैसे पहुंचा। पुलिस आसपास के इलाकों से भी जानकारी जुटा रही है। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

कुपोषित बच्चों को एनआरसी भेजा गया

बीएनएम @ बगहा। बगहा-2 प्रखंड क्षेत्र के कुपोषित बच्चों को बेहतर इलाज एवं देखरेख के लिए मंगलवार को नरकटियागंज स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) भेजा गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. के.बी.एन. सिंह के नेतृत्व में बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं पोषण स्थिति का आकलन किया गया। इसके बाद आवश्यक उपचार के लिए उन्हें एनआरसी रेफर किया गया। वहां बच्चों को चिकित्सकीय निगरानी, पौष्टिक आहार एवं जरूरी उपचार मिलेगा। अभिभावकों को भी बच्चों के पोषण एवं नियमित देखभाल की जानकारी दी जाएगी। मौके पर वाल्मीकिनगर विधायक प्रतिनिधि शत्रुध्न पटेल, स्वास्थ्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार सहित चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

शराब तस्करों पर पुलिस का शिकंजा

बीएनएम @ भास्कर कुमार/ बगहा। बगहा पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 109.2 लीटर शराब बरामद कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया। धनहां थाना पुलिस ने 21.6 लीटर अंग्रेजी व 8 लीटर देशी शराब तथा दो बाइक बरामद की। नौरंगिया थाना पुलिस ने 80 लीटर देशी शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया। ठकराहां थाना क्षेत्र से 7.6 लीटर देशी शराब बरामद की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 69 वारंट एवं एक कुर्की का निष्पादन किया। वहीं 244 वाहनों की जांच कर यातायात नियमों के उल्लंघन पर 22,500 रुपये जुर्माना वसूला गया। एसपी राजेश कुमार ने कार्रवाई की जानकारी दी।

पेट्रोल टंकी में बना रखा था 'गुप्त तहखाना', 2,800 नशीले इंजेक्शन बरामद

बीएनएम @ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा से सटे रक्सौल में पुलिस ने नशीले इंजेक्शनों की तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए करीब 2,800 नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। उक्त कार्रवाई के दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए दो अपाची मोटरसाइकिलों की पेट्रोल टंकियों के भीतर गुप्त तहखाने बना रखे थे, जहां करीब 1,800 इंजेक्शन छिपाकर रखे गए थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नशीले इंजेक्शनों की बड़ी खेप नेपाल भेजने की तैयारी की जा रही है। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई। टीम का नेतृत्व पर्यवेक्षी पदाधिकारी निर्भय कुमार राय ने किया। टीम में एसआई विकास कुमार पासवान, अंशुली आर्य, प्रेम कुमार और अजय कुमार शामिल थे। पुलिस टीम ने रक्सौल शहर के कौड़िहार चौक स्थित वार्ड नंबर-18 में रमेश महतो के किराये के मकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान तीन प्लास्टिक के झोलों से करीब 1,000 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। इसके बाद परिसर में खड़ी दो अपाची मोटरसाइकिलों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान दोनों बाइक की पेट्रोल टंकियों में बनाए गए गुप्त तहखानों का पता चला। इन तहखानों से करीब 1,800 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। इस तरह पुलिस ने कुल करीब 2,800 नशीले इंजेक्शन जब्त किए। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को भी जब्त कर लिया है। इनमें एक का नंबर मधेश प्रदेश 03-036-5000 और दूसरी का नंबर ना. 55 प 4686 बताया गया है। मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जमुना साह नेपाल के परसा जिले के पोखरिया थाना क्षेत्र के विंध्यवासिनी वार्ड नंबर- 4 निवासी विश्वनाथ साह के पुत्र, तथा पूनम देवी, रक्सौल थाना क्षेत्र के नोनियाडीह वार्ड नंबर- 9 निवासी रमेश महतो की पत्नी के रूप में हुई है।

नेपाल भेजने की थी तैयारी, नेटवर्क की तलाश तेज–पुलिस के अनुसार, बरामद नशीले इंजेक्शनों की खेप नेपाल भेजने की तैयारी में थी। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में इंजेक्शन कहां से लाए गए थे और नेपाल में इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। वहीं गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पुलिस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। एसडीपीओ मनीष आनंद ने कहा कि सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रक्सौल तस्करी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में नशीले इंजेक्शनों की इतनी बड़ी खेप की बरामदगी के बाद पुलिस ने तस्करी के नेटवर्क की कड़ियों को खंगालना शुरू कर दिया है।

पेंटिंग प्रतियोगिता में आमोदेई की रंजना ने लहराया परचम, राज्य स्तर के लिए चयनित

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र के आमोदेई हिंदी मध्य विद्यालय की वर्ग आठ की छात्रा रंजना कुमारी ने जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया है। उसकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।मोतिहारी में आयोजित जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में रंजना ने 'विकसित भारत' विषय पर अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उसने अपनी पेंटिंग में सड़क, रेल, अस्पताल सहित विकास से जुड़ी विभिन्न आधारभूत सुविधाओं को आकर्षक ढंग से उकेरा। उसकी कलाकृति को निर्णायक मंडल ने सराहा और उसे प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्रदान किया। जलि स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद रंजना का चयन अब 10 अक्टूबर को पटना में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिए किया गया है। उसकी इस उपलब्धि ने विद्यालय और क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। रंजना की सफलता पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा ने प्रखंड संसाधन केंद्र में आयोजित समारोह में उसे कॉपी, कलम एवं इंस्ट्रूमेंट बॉक्स देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवनीश कुमार, मुकेश कुमार सिंह सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने रंजना की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

बिना लाइसेंस नहीं लगेगा पूजा पंडाल, हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

बीएनएम @ विजय कुमार

रामगढ़वा। आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को रामगढ़वा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजीव मौआर ने की। उक्त बैठक में बीडीओ राकेश कुमार, सीओ अमित कुमार, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक नियमों पर विस्तार से चर्चा हुई। वहीं, थानाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा के दौरान डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिना लाइसेंस के किसी भी स्थान पर पूजा का आयोजन नहीं होगा। सभी पूजा समितियों को विधिवत लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि मेले में हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और पकड़े जाने पर विधिवत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बीडीओ ने निर्देश दिया कि सभी पूजा समितियों के वालंटियर आई-कार्ड के साथ मुस्तैद रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए मेले में एंट्री गेट और एग्जिट गेट अलग-अलग बनाए जाएंगे और सेल्फी पॉइंट की भी व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए सभी समिति अध्यक्षों और सदस्यों को आधार कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, उप प्रमुख अरविंद पांडे, एसआई धर्मेंद्र सिंह, जिला परिषद प्रतिनिधि कमरुद्दीन मंसूरी, समाजसेवी अरुण गुप्ता, सरपंच मुन्ना कुमार, राजू भगत, समाजसेवी विकास झा, मुना तूफानी, विजय सहनी सहित विभिन्न पूजा समितियों के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे।

दोस्तों के साथ घर से निकले युवक की चाकू से गोदकर हत्या, रेतवा चेवर में मिला शव

बीएनएम @ आफताब आलम

तुरकौलिया। जयसिंहपुर उत्तरी पंचायत के खिरवा बाजार निवासी 20 वर्षीय दीपक कुमार की चाकू से गोदकर हत्या कर दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंगलवार की सुबह उसका शव रेतवा चेवर से बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। परिजनों के अनुसार, सोमवार की रात गांव के ही दीपक के दोस्त सुमन और दिलकुश अपाची बाइक से उसे घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। देर रात तक दीपक के घर नहीं लौटने पर उसकी मां कुंती देवी ने मोबाइल फोन पर संपर्क किया। बातचीत में दीपक ने बताया कि वह दोस्तों के साथ चौक पर है और थोड़ी देर में घर लौट आएगा। इसके कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार की सुबह रेतवा चेवर में शव मिलने की सूचना किसी व्यक्ति ने मोबाइल से फोटो भेजकर परिजनों को दी। शव की तस्वीर देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचकर परिजनों ने शव की पहचान दीपक कुमार के रूप में की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल की टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद से भी घटनास्थल के आसपास सुराग तलाशने का प्रयास किया, हालांकि तत्काल कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका। बताया जाता है कि दीपक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। वह तमिलनाडु की एक कंपनी में धागा काटने का काम करता था और पिछले महीने की आठ तारीख को ही घर लौटा था। उसकी हत्या की खबर से परिवार के साथ-साथ गांव में भी मातम पसरा हुआ है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। एफएसएल टीम और खोजी कुत्ते की सहायता से मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी है।

नौतन में सेवा सेतु शिविर शुरू

बीएनएम @ नौतन

आम लोगों की समस्याओं का उनके द्वार पर समाधान कराने के उद्देश्य से प्रखंड कार्यालय नौतन में तीन दिवसीय 'सेवा सेतु शिविर-सरकार आपके द्वार' का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष रुपक लाल श्रीवास्तव, बीडीओ गिरधारी लाल, उपप्रमुख अफसर हुसैन एवं बीस सूत्री अध्यक्ष छोटे लाल कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नोडल पदाधिकारी के रूप में सीडीपीओ संध्या कुमारी मौजूद रहीं। शिविर में बाढ़ मुआवजा, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, जाति-आय-निवास प्रमाण पत्र, परिमार्जन सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़े आवेदन लिए गए। बीडीओ ने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। शिविर 06 से 08 अक्टूबर तक चलेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लाभ उठाने की अपील की।

शव पहुंचते ही मचा कोहराम, साजिश की आशंका

बीएनएम @ नौतन

थाना क्षेत्र के खड्डा बंगला टोला गांव निवासी दीनानाथ चौधरी के 21 वर्षीय पुत्र हीरालाल चौधरी का शव मंगलवार को घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के पिता दीनानाथ चौधरी बार-बार बेहोश हो जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, चार अक्टूबर की रात हीरालाल अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी में जाने की बात कहकर घर से निकला था। लौटने के दौरान पहाड़पुर मेला चौक के समीप ट्रक की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पहाड़पुर पुलिस ने उसे इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच, बेतिया रेफर कर दिया। मृतक के बहनोई विजय चौधरी ने बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सनसरैया निवासी रवि चौधरी समेत तीन लोग हीरालाल को जन्मदिन की पार्टी में जाने की बात कहकर अपने साथ ले गए थे। पांच अक्टूबर की सुबह रवि के पिता सुकई चौधरी ने फोन कर बताया कि हीरालाल पहाड़पुर के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गया है और उसका इलाज जीएमसीएच, बेतिया में चल रहा है। सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। हीरालाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे गोरखपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे गोरखपुर ले जा रहे थे,

दुर्गापूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, पंडालों में सीसीटीवी अनिवार्य

» डीजे बजाने पर पूरी तरह रोक, स्वयंसेवकों की सूची थाने में जमा कराने का निर्देश

बीएनएम @ घोड़ासहन

आगामी दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने को लेकर घोड़ासहन थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता सर्किल इंस्पेक्टर धनंजय कुमार और थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने की। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा विभिन्न पूजा समितियों के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। उक्त बैठक में दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्व मनाने को कहा। प्रशासन के अनुसार, घोड़ासहन थाना क्षेत्र में इस वर्ष कुल 24 स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। सभी पूजा समितियों को निर्धारित मानकों और सरकारी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर सभी 24 पूजा पंडालों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है। प्रवेश और निकास द्वार समेत संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। पूजा और विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल भी निर्धारित समय सीमा और नियंत्रित आवाज में ही किया जा सकेगा। निर्देश का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सभी पूजा समितियों को अपने-अपने पंडालों में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तैनाती करने तथा उनकी सूची पहचान-पत्र सहित थाना में जमा कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा पंडालों में बालू, पानी और अग्निशामक यंत्रों की पर्याप्त व्यवस्था रखने को कहा गया, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। बैठक के अंत में पूजा समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने तथा आपसी भाईचारे के साथ दुर्गापूजा संपन्न कराने का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने शरारती तत्वों और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखने की बात कही।

विश्व-व्यापी रूप

भारत सरकार के लिए नया कर्ज लेना अधिक महंगा हो गया है। केंद्र को अपने बजट का एक चौथाई हिस्सा पुराने कर्ज के ब्याज पर खर्च करना पड़ता है। इसीलिए अब स्थिति अधिक विकट हो गई है। बॉन्ड यील्ड (बॉन्ड्स पर ब्याज दर बढने) के संकट ने इस हफ्ते विश्व-व्यापी रूप ले लिया है। सिर्फ चीन इससे बचा हुआ है, जहां असल में बॉन्ड्स पर ब्याज दरें गिरी हैं। वरना, अमेरिका में 30 वर्ष के बॉन्ड पर ब्याज दर पांच प्रतिशत से ऊपर उस सीमा पर है, जहां 2007-08 की मंदी के बाद वह कभी नहीं पहुंची। मंगलवार को यह दर ब्रिटेन में 1998 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। जर्मनी, फ्रांस, जापान- लगभग हर विकसित बाजार में एक जैसी हालत है। वैश्विक वित्तीय बाजारों में मचे इस उथल-पुथल का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है। जब कभी अमेरिका जैसे बाजारों में सरकारी बॉन्ड पर अधिक ब्याज मिलने लगती है, विदेशी संस्थागत निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से अपना पैसा निकालने लगते हैं। इससे बॉन्ड बिकवाली की होड़ लग जाती है। बॉन्डधारक बिकवाली में शामिल ना हों, इसके लिए उन्हें अधिक ब्याज दर का लालच देना पड़ता है। ताजा वैश्विक रुझान का ही असर है कि भारत सरकार के 10-वर्षीय बेंचमार्क बॉन्ड पर ब्याज दर बढ़ कर 7.09 फीसदी के आसपास पहुंच गई है। स्पष्टतः भारत सरकार और भारतीय कंपनियों के लिए नया कर्ज लेना अधिक महंगा हो गया है। जिस समय भारत सरकार को अपने बजट का एक चौथाई हिस्सा पुराने कर्ज के ब्याज पर खर्च करना पड़ रहा हो, नई स्थिति कितनी बड़ी चुनौती है, उसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बीच अनुमान है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें बढ़ाएगा। लेकिन उससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन महंगे होंगे, जिनका बोझ भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। विकसित देशों में बॉन्ड संकट का कारण राजकोषीय सेहत को लेकर वहां उपजा संदेह है। बढ़ते गए कर्ज का बोझ और तेल-गैस महंगा होना इस संदेह की प्रमुख वजहें हैं। इन कारणों का दबाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी है। इसी कारण विदेशी निवेशकों में डॉलर बाहर ले जाने की होड़ लगी। उसका परिणाम रुपये की कीमत गिरने के रूप में सामने आया। अब ये सारी परिस्थितियां अधिक गंभीर रूप में फिर सामने आ खड़ी हुई हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज की ओर अग्रसर

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क और कैशलेस अस्पताल उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर 21 सितंबर 2026 तक देश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी यानी 48.51 करोड़ से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत 13.25 करोड़ से अधिक अस्पताल दाखिलों के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये की राशि का वित्तपोषण किया जा चुका है। एबी-पीएमजेएवाई के तहत देशभर के 38 हजार से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर कीस्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जारही हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारी और महंगे उपचार के कारण परिवारों को आर्थिक संकट और भारी चिकित्सा ऋण से बचाना है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः भारत सरकार ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 1,961 उपचार प्रक्रियाओं के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत के तहत एबी-पीएमजेएवाई के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभिम) मिलकर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक आधार प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर अस्पताल में उपचार, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना तक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी मिला लाभः सरकार ने मार्च 2024 में एबी-पीएमजेएवाई का विस्तार करते हुए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को योजना में शामिल किया था। 21 सितंबर 2026 तक इन वर्गों के लिए 44.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा 11 सितंबर 2024 को योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। 21 सितंबर 2026 तक 1.36 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं। योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना-2011 में निर्धारित अभाव और व्यावसायिक मानदंडों के आधार पर की जाती है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पहले से शामिल परिवार भी आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवार पात्र हैं जिनके पास कच्ची दीवार और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा है, जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क सदस्य नहीं है, महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है, दिव्यांग सदस्य वाले ऐसे परिवार जिनमें कोई सक्षम वयस्क सदस्य नहीं है, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार तथा भूमिहीन परिवार जिनकी आय का प्रमुख स्रोत दिहाड़ी मजदूरी है। शहरी क्षेत्रों में कूड़ा बीनने वालों, भिखारियों, घरेलू कामगारों, सड़क पर सामान बेचने वालों, मोचियों, फेरीवालों, निर्माण श्रमिकों, प्लंबर, राजमिस्त्री, मजदूरों, पेंटर, वेल्डर, सुरक्षा गार्ड, कुली, सफाईकर्मियों, माली, कारीगरों, दर्जियों, परिवहन श्रमिकों, चालकों, परिचालकों, रिक्शा चालकों, दुकान कर्मचारियों, डिलीवरी सहायकों, वेटरों, बिजली मिस्त्रियों, मैकेनिकों, धोबियों और चौकीदारों सहित विभिन्न श्रमिक वर्गों को पात्रता दी गई है।

सरकार ने विभिन्न विशेष पहलों के माध्यम से योजना का दायरा और व्यापक किया है। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक और उनके आश्रित, पीएम-राहत के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित, स्माइल पहल के तहत पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्ति, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के पात्र बच्चे, नमस्ते योजना के तहत पहचाने गए कचरा बीनने वाले और सफाईकर्मी तथा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के प्रभाव का उदाहरण हरियाणा के जींद जिले की 65 वर्षीय बीरमती का मामला है। उनके जांघ की हड्डी के ऊपरी हिस्से, जिसे फीमर की गर्दन कहा जाता है, में गंभीर फ्रैक्चर हो गया था। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से उन्हें जिला आर्थोपेडिक एवं मातृत्व अस्पताल में 44,140 रुपये मूल्य का उपचार और समय पर सर्जरी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई गई। इस तरह की सहायता आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है।

केंद्र और राज्यों के बीच साझा वित्तपोषणः एबी-पीएमजेएवाई केंद्र प्रायोजित योजना है। अधिकांश राज्यों में केंद्र और राज्य सरकार के बीच वित्तपोषण का अनुपात 60:40 है। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में यह अनुपात 90:10 है। बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत वित्तपोषण करती है, जबकि विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश के बीच 60:40 के अनुपात में राशि साझा की जाती है। वर्ष 2026-27 के लिए योजना के तहत 9,500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान अनुमानित है। सरकारी वित्तपोषण बढने और निःशुल्क तथा कम लागत वाली स्वास्थ्य योजनाओं के विस्तार से लोगों के अपनी जेब से होने वाले स्वास्थ्य खर्च में भी कमी आई है। आयुष्मान भारत का दूसरा प्रमुख स्तंभ आयुष्मान आरोग्य मंदिर है। इन केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घरों और समुदायों के करीब पहुंचाया जा रहा है। मौजूदा स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत कर इन केंद्रों में बेहतर अवसंरचना, अतिरिक्त मानव संसाधन, आवश्यक दवाएं, जांच सुविधाएं और सूचना प्रौद्योगिकी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा बीमारियों की जांच और उपचार, मुख स्वास्थ्य, नेत्र चिकित्सा, कान-नाक-गला संबंधी सेवाएं तथा मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है। प्राथमिक स्तर की आपातकालीन और दुर्घटना संबंधी देखभाल के साथ आवश्यक दवाएं और जांच भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी स्थापित किए जा रहे हैं। ये केंद्र आशा और अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता तथा रोगों की निगरानी के महत्वपूर्ण केंद्र बन गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिक सरकार की दूरचिकित्सा सेवा 'ई-संजीवनी' के जरिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श ले सकते हैं। 17 सितंबर 2026 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न केंद्रों पर 50 करोड़ से अधिक दूरचिकित्सा परामर्श किए जा चुके हैं, जबकि इन केंद्रों पर 540 करोड़ से अधिक लोगों के आने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरुआत की। इसका उद्देश्य देश में एकीकृत और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था तैयार करना है। इस व्यवस्था का आधार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता यानी आभा है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए डिजिटल स्वास्थ्य पहचान के रूप में कार्य करता है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड और बीमा दावों को एकीकृत किया जा सकता है तथा नागरिक अपने चिकित्सा इतिहास को सुरक्षित रखते हुए अस्पतालों, चिकित्सकों, बीमा कंपनियों और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं। 17 सितंबर 2026 तक 97.61 करोड़ से अधिक आभा पहचान सक्रिय हो चुकी थीं और 119.95 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड इन खातों से जोड़े जा चुके थे। आभा उपयोगकर्ताओं में 49.74 प्रतिशत महिलाएं, 50.26 प्रतिशत पुरुष और 0.01 प्रतिशत अन्य लिंग के लोग हैं। इसके अतिरिक्त 5.78 लाख से अधिक सत्यापित स्वास्थ्य सुविधाएं और लगभग 11 लाख स्वास्थ्य पेशेवर डिजिटल मंच पर पंजीकृत हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत स्वास्थ्य पेशेवरों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री, स्वास्थ्य सुविधाओं की राष्ट्रीय रजिस्ट्री और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एकीकृत डिजिटल मंच विकसित किया जा रहा है। इससे अस्पताल, चिकित्सक, प्रयोगशालाएं, औषधालय और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जुड़ रही हैं। कोविड-19 महामारी के अनुभव के बाद देश की स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन की शुरुआत 25 अक्टूबर 2021 को की गई थी। वर्ष 2021 से 2026 के बीच इसके लिए 64,180 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पीएम-अभिम का उद्देश्य स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करना, रोग निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाना और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अनुसंधान का विस्तार करना है। इसके तहत 10 उच्च प्राथमिकता वाले राज्यों में 23,224 ग्रामीण स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को समर्थन दिया जा रहा है।

बिना प्रमाण के आरोप लगाना ठीक नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति केवल आलोचना करने का नाम नहीं, बल्कि एक सकारात्मक चिंतन प्रवाह और देश को सही राह पर ले जाने के लिए किए जाने वाला प्रयास है। लेकिन आज हमारे देश में राजनीति का पर्याय केवल आरोप लगाने तक ही सीमित होता दिखाई दे रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि आरोप हमेशा सच नहीं होते हैं। प्रमाण के साथ आरोप लगाने की राजनीति की जाए तो उसका महत्व समझ में आता है, लेकिन बिना प्रमाण के आरोप लगाना देश की जनता को गुमराह करने जैसा ही कृत्य माना जाएगा। वर्तमान में देश में कुछ इसी प्रकार की राजनीति की जा रही है। अब सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रकार की राजनीति देश के विकास के लिए उचित कही जा सकती है। बिलकुल नहीं।

हालांकि यह सर्वथा सत्य है कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की अपनी-अपनी महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। दोनों को बिना प्रमाण के आरोप लगाने की परिधि से बाहर निकलना चाहिए, लेकिन यह हो सकेगा, ऐसा संभव नहीं दिख रहा। विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। दुर्भाग्य से आज की राजनीति में आरोप प्रत्यारोप का शोर इतना बढ़ गया है कि तथ्य और प्रमाण पीछे छूटते दिखाई देते हैं। किसी व्यक्ति, संस्था अथवा सरकार पर गंभीर आरोप लगा देना आसान है, लेकिन उन आरोपों को प्रमाणित करना ही लोकतांत्रिक राजनीति की वास्तविक कसौटी है। आरोप लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन आरोप अपने आप में प्रमाण नहीं होते। किसी व्यक्ति पर आरोप लगा देने मात्र से वह अपराधी नहीं हो जाता। कानून और लोकतांत्रिक मर्यादा दोनों यही कहते हैं कि आरोप की जांच हो, प्रमाण सामने आएं और उसके बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाए। सार्वजनिक जीवन में यह जिम्मेदारी और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि नेताओं के बयान समाज के बड़े वर्ग को प्रभावित करते हैं। बिना प्रमाण के लगाए गए आरोप व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ संस्थाओं के प्रति जनता के विश्वास को भी कमजोर कर सकते हैं।

हाल के राजनीतिक विमर्श में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को लेकर लगाए गए आरोप इसी संदर्भ में चर्चा का विषय बने हैं। विपक्ष की ओर से चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। चुनाव आयोग ने भी विभिन्न अवसरों पर आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने की बात कही है। ऐसे मामलों में लोकतांत्रिक तरीका यही होना चाहिए कि यदि किसी संस्था या अधिकारी के विरुद्ध कोई ठोस तथ्य उपलब्ध है तो उसे सार्वजनिक किया जाए, संबंधित संवैधानिक संस्था के समक्ष रखा जाए और निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से उसकी जांच कराई जाए। केवल राजनीतिक मंचों से आरोप दोहराते रहने से किसी आरोप की सत्यता स्थापित नहीं होती। कांग्रेस द्वारा इस विषय पर विपक्षी दलों की बैठक बुलाना भी राजनीतिक गतिविधि का हिस्सा है। विपक्षी दलों को सरकार और संवैधानिक संस्थाओं से सवाल पूछने का पूरा अधिकार है, लेकिन सवालों की गंभीरता उनकी संख्या से नहीं, बल्कि उनके पीछे मौजूद प्रमाणों और तथ्यों से तय होती है। यदि आरोप गंभीर हैं तो उनके समर्थन में ठोस सामग्री भी उतनी ही गंभीर होनी चाहिए। यही स्थिति उद्योग जगत के प्रमुख नामों अडानी और अंबानी को लेकर लगाए जाने वाले आरोपों पर भी लागू होती है। किसी उद्योगपति का सरकार से संबंध होने का आरोप अलग बात है और किसी सरकारी निर्णय में अवैध लाभ पहुंचाने का प्रमाण होना अलग बात। व्यावसायिक लेन-देन, कंपनियों की खरीद, निवेश और संपत्तियों का अधिग्रहण अपनी निर्धारित कानूनी और कारोबारी प्रक्रियाओं के अंतर्गत होते हैं। यदि किसी सौदे को लेकर आपत्ति है तो उसके दस्तावेज, वित्तीय विवरण और नियामकीय रिकॉर्ड सामने रखे जाने चाहिए। केवल किसी कारोबारी समूह का नाम लेकर राजनीतिक आरोप लगाना तथ्यात्मक बहस का विकल्प नहीं हो सकता। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि यदि भारतीय उद्योग समूह किसी ऐसी संपत्ति अथवा कंपनी का अधिग्रहण करते हैं, जो पहले किसी विदेशी कंपनी के स्वामित्व में थी, तो क्या केवल इसलिए इसे संदेह की दृष्टि से देखा जाना चाहिए कि खरीदार भारतीय है? यदि कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक स्तर पर विस्तार करता है, विदेशी संपत्ति या कंपनी का अधिग्रहण करता है और वह प्रक्रिया कानून के अनुरूप होती है, तो इसे भारतीय उद्योग की वैश्विक क्षमता के रूप में भी देखा जा सकता है। हालांकि किसी भी कारोबारी सौदे में पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन की जांच आवश्यक है। आलोचना का आधार तथ्य होना चाहिए। राजनीति में सबसे बड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी दल का पूरा राजनीतिक विमर्श किसी एक व्यक्ति या नेता के विरोध तक सीमित दिखाई देने लगे। विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना अवश्य है, लेकिन जनता यह भी जानना चाहती है कि विपक्ष सत्ता में आने पर क्या करेगा। स्पष्ट वैकल्पिक नीतियां लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को सार्थक बनाती हैं। केवल विरोध की राजनीति लंबे समय तक जनता को आकर्षित नहीं कर सकती। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा अतीत में लगाए गए कई आरोप बाद में विवादित हुए हैं और कुछ मामलों में संबंधित नेताओं को सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण अथवा क्षमा याचना तक करनी पड़ी है। इससे एक मूलभूत राजनीतिक सबक सामने आता है कि बयान देने से पहले तथ्य की जांच आवश्यक है। राजनीतिक मंच की तात्कालिक तालियां बाद में राजनीतिक दल के लिए गंभीर प्रश्न भी खड़े कर सकती हैं। वास्तव में लोकतंत्र आरोपों की प्रतिस्पर्धा से नहीं, नीतियों की प्रतिस्पर्धा से मजबूत होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल अपने भाषणों की भाषा और राजनीतिक संघर्ष की शैली पर पुनर्विचार करें। आरोप लगाना सरल है, प्रमाण जुटाना कठिन। लेकिन लोकतांत्रिक राजनीति कठिन रास्ते से ही मजबूत होती है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर अपराधी मान लेना न्याय की भावना के विपरीत है और किसी संस्था को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर दोषी मान लेना भी उतना ही अनुचित है। राजनीति का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी और देश के सामने बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना होना चाहिए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपका ध्यान अपने काम को पूरा करने में लगेगा, आपके अधिकतर काम सफल होंगे। आज आप बुजुर्गों की सेवा का लाभ उठायेंगे, उनके आशीर्वाद से आपके जीवन में चल रहीं समस्याएं खत्म होंगी। इस राशि के कुछ व्यक्ति किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे और अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे। आज आपको दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे, जिससे आपके सपने जल्द ही पूरे होंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा, बच्चे भी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। आज आप कुछ वक्त अध्यात्म में बितायेंगे, आपके मन को शांति मिलेगी। लम्बे समय से चल रही किसी समस्या से आज आपको मुक्ति मिलेगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव बना रहेगा। आज आपको नौकरी में किसी बड़ी कंपनी से ऑफर आएगा और आपका इंटरव्यू भी क्लियर हो जायेगा। आज आपको किसी शारीरिक समस्या से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप कोई नया मुकाम हासिल करने में सफल रहेंगे, आपकी प्रशंसा होगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक समस्या खत्म होगी। आज आपके कानूनी मामले किसी की मदद से सुलझ जायेंगे, आप राहत महसूस करेंगे। आज आप निजी जीवन से संबंधित कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं, जिसका आपको पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा। आज आप जरूरत से ज्यादा किसी भी व्यक्ति के ऊपर भरोसा करने से बचें।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में हाथ बटायेंगे, जिससे आपकी छवि अच्छी बनेगी। इस राशि के अविवाहित व्यक्तियों को विवाह प्रस्ताव मिल सकता है। आज आप किसी सरकारी योजना का लाभ लेने में सफल रहेंगे। आज आप प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी काम को शांत मन और गंभीरता के साथ करेंगे तो आपको उसमें सफलता अवश्य मिलेगा। आज आप अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए, उसकी नयी ब्रांच ओपन कर सकते हैं। आज आप समय के साथ खुद को बदलने का प्रयास करेंगे, जो आपके लिए अच्छा होगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके कारोबार में उन्नति होगी, भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने की प्लानिग कर सकते हैं, आपको अच्छा लगेगा। आज किसी को दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। इस राशि के सरकारी कार्यों में कार्यरत व्यक्तियों को जल्द ही प्रमोशन मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप कोशिश करें, की किसी भी बात के ऊपर बिना सोचे समझें रियेक्ट न करें। इससे आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं। आज आप अपने आत्मविश्वास को कम न होने दें, आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। साथ ही जमीन जायदाद के मामलों को निपटाने के लिए, आज का दिन ठीक है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने मार्केट जा सकते हैं। साथ ही किसी अच्छे रेस्टॉरेंट में खाना भी खायेंगे। आज कई दिनों से अटका हुआ आपका काम पूरा हो जायेगा। आज आप मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, आपका दिन अच्छा बनेगा। आज आपको बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपकी सहायता से किसी व्यक्ति का काम बन जायेगा। आज आप नए अवसरों की तलाश में बाहर निकलेंगे, जहां आपको कई बेहतरीन मौके मिलेंगे। आज आपको ससुराल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी, जिससे घर का माहौल अच्छा रहेगा। आज आप किसी सामान को खरीदते समय उसकी पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

कुंभ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापारिक रिश्तों का बड़ा लाभ मिलेगा। साथ ही आप कुछ नया काम भी शुरू कर सकते हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा, आपको किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार मिलेगा। आज आपका मन अध्यात्म में लगेगा, आपको मानसिक शांति मिलेगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए पहले से बेहतर रहेगा। आज आप वो करें, जिसे करने से आपको खुशी प्राप्त हो। आज आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल होंगे, जहां आपका मान सम्मान होगा। आज आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान होगा, आप खुद को एनर्जी से भरा हुआ पायेंगे।

यमुना के कालिंदी कुंज तट पर सेवा का वह स्वर्णिम सवेरा

विनोद सिंह 'तकियावाला'

अक्टूबर माह की पहली तारीख। दिल्ली की सुबह में हल्की ठंडक, सुहावनी हवा और आसमान पर फैली नर्म रोशनी के बीच रायसीना मार्ग स्थित नेशनल मीडिया सेंटर का वातावरण हमें कुछ अलग ही अनुभूति करा रहा था।रोज की भागदौड़ से अलग मन में विशेष उत्साह था।अगले दिन 2 अक्टूबर है,जब देश राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाने जा रहा था। दोनों महापुरुषों का जीवन सेवा, सादगी, सत्य,स्वच्छता और राष्ट्रनिष्ठा का संदेश देता है।इसी भावभूमि में जल शक्ति मंत्रालय की ओर से यमुना के कालिंदी कुंज तट पर आयोजित स्वच्छता एवं सेवा अभियान में सहभागी बनने का अवसर मिला। मेरे लिए यह किसी सरकारी कार्यक्रम में भागीदारी भर नहीं थी। यह अपने शहर,अपने समय और अपनी नागरिक जिम्मेदारी को यमुना के किनारे खड़े होकर करीब से महसूस करने का अवसर था।वर्ष 2026 के स्वच्छता अभियान का संदेश 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे इस अभियान में स्वच्छता को सरकारी गतिविधि से आगे ले जाकर जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी से जोड़ने पर बल दिया गया है।स्वैच्छिक श्रमदान इसी भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।रायसीना मार्ग से हमारी यात्रा शुरू हुई।इस यात्रा का सबसे दिलचस्प हिस्सा थी वह पुरानी-सी टूरिस्ट बस,जो आधुनिक दिल्ली की चमचमाती तस्वीर से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी।बस अपनी उम्र की कहानी कह रही थी।कहीं से थकी हुई, कहीं से खटारा-सी दिखाई देती थी,लेकिन उस सुबह उसमें बैठने वालों के लिए उसका महत्व किसी वातानुकूलित लग्जरी बस से कम नहीं था।शायद इसलिए कि उस दिन बस की मंजिल पर्यटन नहीं,सेवा थी।बस में अधिकारी, पत्रकार,फोटो पत्रकार, चालक,सहयोगी और कुछ अन्य साथी थे। न कोई बड़ा काफिला, न कोई दिखावटी तामझाम।किसी के हाथ में कैमरा था,किसी के पास नोटबुक और किसी के मन में यमुना के प्रति चिंता।मेरे लिए यह पत्रकारिता की एक अलग तस्वीर थी।सामान्यतः पत्रकार किसी घटना को देखने, सुनने और लिखने के लिए पहुँचता है। उस दिन हम केवल देखने वाले नहीं थे।हम स्वयं सेवा अभियान का हिस्सा बनने जा रहे थे।कैमरा और कलम के साथ हाथ में श्रम की जिम्मेदारी भी थी।दिल्ली की सड़कें धीरे-धीरे जाग रही थीं।कहीं दूध की गाड़ियाँ थीं,कहीं काम पर निकलते लोग और कहीं सुबह की सैर करते नागरिक। इसी जीवंत दिल्ली के बीच बहती यमुना हमारी यात्रा का अगला पड़ाव थी।राजधानी की जीवनरेखा कही जाने वाली यह नदी सदियों से दिल्ली के इतिहास,संस्कृति और सभ्यता की साक्षी रही है। इसके किनारे साम्राज्य बने,बस्तियाँ बसीं और आधुनिक दिल्ली का विस्तार हुआ।आज यही यमुना हमारी पर्यावरणीय चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी की कसौटी भी बन चुकी है।जब हमारी बस कालिंदी कुंज तट के करीब पहुँची तो वातावरण में एक अलग गंभीरता महसूस हुई।सामने यमुना नदी थी और आसपास स्वच्छता अभियान की तैयारियाँ।कुछ क्षण के लिए लगा कि हम किसी सामान्य कार्यक्रम में नहीं,बल्कि उस नदी के सामने खड़े हैं जिसने सदियों से हमारी सभ्यता को अपने आँचल में सँजोया है।यहीं गाँधी और शास्त्री की स्मृति इस यात्रा से स्वतः जुड़ जाती है।महात्मा गाँधी के लिए स्वच्छता केवल सफाई का विषय नहीं थी।वह सामाजिक चेतना और सार्वजनिक जीवन की जिम्मेदारी का हिस्सा थी। 2 अक्टूबर की पूर्व संध्या पर यमुना तट की सफाई में हाथ बँटाना उनके विचार को केवल याद करना नहीं, उसे कर्म में उतारने जैसा अनुभव था।लाल बहादुर शास्त्री का जीवन इसी भावना को सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के रूप में सामने रखता है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि राष्ट्रसेवा केवल बड़े पदों पर बैठकर नहीं होती।अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाना भी राष्ट्रसेवा है। यमुना तट पर श्रम करते हुए यही विचार बार-बार मन में आता रहा।हमारे हाथों में दस्ताने थे,सामने यमुना थी और आसपास सेवा में जुटे लोग।कुछ समय के लिए पत्रकार और अधिकारी की पहचान पीछे छूट गई थी।वहाँ केवल नागरिक होना महत्वपूर्ण था।यही सेवा की वास्तविक शक्ति है।जब पद और पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति स्वयं को समाज का हिस्सा मानता है,तब श्रमदान औपचारिकता नहीं रहता।कालिंदी कुंज यमुना संरक्षण में जनभागीदारी का महत्वपूर्ण स्थल भी बन चुका है।सितंबर 2025 में जल शक्ति मंत्रालय के नेतृत्व में यहाँ 'एक दिन, एक घंटा,एक साथ' श्रमदान आयोजित किया गया था। इसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और राज्य मंत्री वी. सोमन्ना के साथ विभागीय अधिकारियों,युवाओं, विद्यार्थियों,गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। यह भागीदारी बताती है कि नदी संरक्षण का दायित्व केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह सकता।यमुना की चुनौती केवल तट पर दिखाई देने वाले कूड़े तक सीमित नहीं है। नदी को स्वच्छ रखने के लिए सीवेज उपचार,नालों का प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी, ठोस कचरे का उचित निस्तारण और नागरिक व्यवहार में बदलाव जैसे अनेक स्तरों पर काम करना पड़ता है।नमामि गंगे कार्यक्रम में सीवेज उपचार, नदी सतह की सफाई,जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण, जनजागरूकता और औद्योगिक अपशिष्ट की निगरानी जैसे प्रयास शामिल हैं।सरकारी आँकड़ों के अनुसार मार्च 2026 तक नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत 524 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई थीं,जिनमें 355 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी थीं। जून 2026 तक इस कार्यक्रम के तहत 4,263 मिलियन लीटर प्रतिदिन की सीवेज उपचार क्षमता सृजित किए जाने की जानकारी दी गई।इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि नदी की वास्तविक सफाई केवल सतह से कचरा हटाने तक सीमित नहीं है।नदी में पहुँचने वाले प्रदूषित जल को रोकना और उसका उपचार करना भी उतना ही आवश्यक है।इसीलिए श्रमदान और दीर्घकालीन नदी संरक्षण को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। श्रमदान नागरिक को अपनी जिम्मेदारी का प्रत्यक्ष अनुभव कराता है, जबकि सीवेज उपचार और प्रदूषण नियंत्रण जैसी व्यवस्थाएँ नदी के स्थायी पुनर्जीवन का आधार तैयार करती हैं।2025 के कालिंदी कुंज आयोजन में विद्यार्थियों,युवाओं, गैर-सरकारी संगठनों,नागरिक समाज और स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी इसी व्यापक सोच का संकेत थी। उसी वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान देशभर में 18 करोड़ से अधिक लोगों की जनभागीदारी का सरकारी आकलन सामने आया था। यह संख्या बताती है कि स्वच्छता का संदेश तभी स्थायी बन सकता है, जब वह सरकारी कार्यक्रम से निकलकर समाज के व्यवहार का हिस्सा बने।यमुना केवल दिल्ली की नदी नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है।इसके किनारे हमारी सभ्यता की अनेक परतें विकसित हुई हैं।इसलिए यमुना की स्वच्छता केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं, हमारी सांस्कृतिक और नागरिक जिम्मेदारी का प्रश्न भी है।सरकारें योजनाएँ बना सकती हैं,अभियान चला सकती हैं और संसाधन उपलब्ध करा सकती हैं, लेकिन नदी को स्वच्छ रखने का स्थायी संकल्प समाज की सामूहिक चेतना से ही आकार लेगा।उस सुबह की पुरानी टूरिस्ट बस भी अब मुझे केवल एक बस नहीं लग रही थी।वह इस पूरी यात्रा की स्मृति बन गई थी। उसके भीतर बैठे लोग यमुना की ओर जा रहे थे और लौटते समय हर किसी के पास अनुभव की अपनी कहानी थी।किसी के कैमरे में तस्वीरें थीं, किसी की नोटबुक में शब्द और किसी के मन में एक सवाल - हम अपनी नदियों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी कब तक केवल अभियानों के भरोसे छोड़ते रहेंगे?नदी के किनारे जमा कूड़ा कुछ घंटों में हटाया जा सकता है,लेकिन नदी के प्रति हमारी सोच बदलने में समय लगेगा।वास्तविक स्वच्छता तब होगी,जब यमुना के किनारे कूड़ा फेंकने से पहले हर व्यक्ति एक क्षण ठहरकर सोचे कि वह केवल नदी को नहीं, अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों में छोड़ी भारत की कप्तानी, कहा- मैंने अपना कर्तव्य निभाया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एकदिवसीय विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। हरमनप्रीत 2018 से पूर्णकालिक टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान और 2022 से एकदिवसीय कप्तान थीं। टेस्ट क्रिकेट में भी वह भारत की कप्तान थीं। उन्होंने महान खिलाड़ी मिताली राज के बाद टीम की कमान संभाली थी। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर अपने भावुक संदेश में लिखा, "आज मैं सभी प्रारूपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से हट रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है—अपना खून, अपना पसीना, अपना समय और कई बार अपने खेल तथा निजी महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा भी। ऐसे मौके आए जब मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, अपने विकास और अपने लिए जो कुछ चाहती थी, उसे पीछे रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को हमेशा सबसे पहले रखना चाहिए।" उन्होंने आगे लिखा, "कप्तान के तौर पर मुझे कठिन फैसले लेने पड़े। ऐसे फैसले जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया, जो हमेशा आसान नहीं थे और कभी-कभी जिनकी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका एक ही उद्देश्य था—इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और अपना सर्वश्रेष्ठ रूप बनने का अवसर देना।" हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान पर हराकर भारत को पहली बार वरिष्ठ महिला आईसीसी विश्व कप खिताब दिलाया और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। वह भारत की पहली महिला कप्तान बनीं, जिनकी अगुवाई में टीम ने वरिष्ठ स्तर का

आईसीसी विश्व कप जीता। उन्होंने लिखा, "मैंने यह सब देखा है। मैंने सबसे बुरे दौर, दिल टूटने वाले पल, आलोचना, संदेह और ऐसे दिन देखे हैं जब कुछ भी हमारे पक्ष में नहीं जा रहा था। और मैंने सबसे ऊंचे मुकाम भी देखे हैं—जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और ऐसे पल, जिन्होंने हर त्याग को सार्थक बना दिया।" हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने रिकॉर्ड चार एशिया कप खिताब जीते। उनकी कप्तानी में भारत ने 2012, 2016, 2022 और 2026 में एशिया कप अपने नाम किया। उन्होंने एशियाई खेलों में भी लगातार दो स्वर्ण पदक दिलाए और भारत ने हांगझोऊ 2022 तथा आइची-नागोया 2026 में शीर्ष स्थान हासिल किया। कप्तानी छोड़ने के फैसले पर हरमनप्रीत ने कहा, "आज मैं अपने दिल में भावनाओं का सैलाब लेकर कप्तानी छोड़ रही हूं, लेकिन साथ ही मन में शांति भी है। क्योंकि मुझे वास्तव में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी स्थिति में है। यह प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य वाली टीम है, जिसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और जिसका हिस्सा बने रहना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाया और मैं हमेशा भारतीय महिला क्रिकेट की अगुवाई करने का अवसर मिलने के लिए आभारी रहूंगी। अब मेरे लिए पन्ना पलटने का समय है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी खत्म नहीं होगा। हर साथी खिलाड़ी, कोच, सहयोगी स्टाफ, प्रबंधन, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, परिवार के सदस्यों और हर उस प्रशंसक का धन्यवाद, जो अच्छे और बुरे दौर में मेरे साथ खड़ा रहा। खून। पसीना। त्याग। गर्व। मैंने अपना सब कुछ दिया। अब मैं फिर से खेल के प्यार के लिए खेलने को तैयार हूं। कप्तानी खत्म। सफर जारी है।" हरमनप्रीत की कप्तानी की अन्य प्रमुख उपलब्धियों में 1999 के बाद इंग्लैंड की धरती पर भारत को पहली बार द्विपक्षीय महिला एकदिवसीय श्रृंखला जिताना शामिल है। भारत ने 2022 में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। उन्होंने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट जीत में भी टीम की अगुवाई की। इसके अलावा 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत को पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत दिलाई। हरमनप्रीत ने कप्तान के रूप में 150 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की अगुवाई कर पुरुष क्रिकेट के दिग्गज कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया और 150 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी करने वाली पहली क्रिकेटर बनीं।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ वनडे ट्रॉफी के लिए हिमाचल की अंडर-19 टीम घोषित, नौनिहाल एटलस को सौंपी कमान

एजेंसी, धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ वन डे एलीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल (मेन) की टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान नौनिहाल एटलस को सौंपी गई है। टीम में आदित्य कटारिया को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा टीम में आदित्य, अनिकेत ठाकुर, किशन कुमार, ओम महादेव, साहिल कुमार, अंश धीमान, अर्जुन पठानिया, शिवम शर्मा, अमनदीप ठाकुर, दिव्यांश ठाकुर, कृष जैन, जपनीत सिंह जयादित्य डोगरा, नौनिहाल एटलस तथा लक्षित ठाकुर शाम है। वहीं टीम में हेमन्त डोगरा को मुख्य कोच बनाया गया है। मुकेश शर्मा बॉलिंग कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, राजिंदर नाहटा फिजियो, अंकुश आदित्य ट्रेनर, अंकित अरोड़ा वीडियो एनालिस्ट, संदीप कुमार साइड आर्म, भूपेंद्र सिंह चौहान मसेउर तथा विवेक धीमान बतौर मैनेजर नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम अपने पांच लीग मैच खेलेगी। तय शेड्यूल के मुताबिक हिमाचल प्रदेश बनाम चंडीगढ़ 8 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम दिल्ली 10 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम गुजरात 12 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम कर्नाटक 14 अक्टूबर तथा हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड के बीच 16 अक्टूबर को मैच होगा।

मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा: मिलोस केरकेज

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच होने वाले बड़े मुकाबले से पहले लिवरपूल के डिफेंडर मिलोस केरकेज ने कहा कि उनकी टीम को मैनचेस्टर सिटी जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जियोस्टार को दिये गए एक साक्षात्कार में केरकेज ने टीम की रक्षात्मक कमजोरियों में सुधार, मैनेजर आंदोनी इराओला के साथ काम करने और मैनचेस्टर सिटी की चुनौती को लेकर विस्तार से बात की। शुरुआती मुकाबलों में ज्यादा

गोल खाने को लेकर केरकेज ने कहा, "सीजन की शुरुआत में हमारे लिए, खासकर डिफेंडरों के तौर पर, इतने ज्यादा गोल खाना काफी निराशाजनक रहा है। हम क्लीन शीट चाहते हैं और हमलावर गोल करना चाहते हैं। इसलिए हमने इस सप्ताह उन चीजों को सुधारने पर काम किया है और मुझे लगता है कि मैच शुरू होने के बाद इसमें सुधार होना चाहिए। हमने बैठकें कीं, डिफेंडरों के लिए हमेशा वीडियो विश्लेषण किया। इसलिए हम इस मामले में काफी सुधार करना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने की गुणवत्ता भी है, और हमें ऐसा करना चाहिए। हम जानते हैं कि हमें रक्षात्मक रूप से बेहतर होना होगा। अभी सीजन की शुरुआत ही है, इसलिए इसे सुधारने के लिए समय है। हमें बस काम करते रहना है और अगले मैच पर ध्यान केंद्रित रखना है।"

टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के लिए रोहन बोपन्ना समेत आठ मार्की खिलाड़ी घोषित

एजेंसी, मुंबई । भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना और अंतरराष्ट्रीय सितारे रोमन बुरुचागा तथा रिंकी हिजिकाता समेत आठ खिलाड़ियों को किआ टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के लिए मार्की खिलाड़ी घोषित किया गया है। खिलाड़ियों की नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई के फोर सीजन्स होटल में होगी। आठ फ्रेंचाइजी—मुंबई रॉयल्स, राजस्थान रेंजर्स, गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स, लखनऊ ब्लेजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, गुजरात पैंथर्स और जीएस दिल्ली एसेस—नीलामी में अपने मार्की खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करेंगी। गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स की ओर से खेलेंगे 46 वर्षीय रोहन बोपन्ना मार्की खिलाड़ियों में सबसे बड़ा नाम हैं। बोपन्ना पुरुष युगल में पूर्व विश्व नंबर एक और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता था। पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बोपन्ना भारतीय टेनिस के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। बोपन्ना ने कहा, "मैं टीपीएल में वापस आने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। हर साल लीग मजबूत होती जा रही है और मुझे टीम का माहौल तथा इस प्रारूप से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है। इस साल मुकाबला बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है।

न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल बीबीएल-16 के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़े

एजेंसी, मेलबर्न

न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल बिग बैश लीग (बीबीएल) के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए हैं। ब्रेसवेल के आने से रेनेगेड्स के विदेशी खिलाड़ियों के दल को मजबूती मिली है। वह बल्ले और गेंद दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। ब्रेसवेल आगामी सत्र के लिए रेनेगेड्स के दूसरे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को टीम ने अपने साथ जोड़ा था। इससे मेलबर्न की टीम को अपनी अंतिम एकादश तैयार करने के लिए एक

और अनुभवी विकल्प मिला है। 35 वर्षीय ब्रेसवेल ने 2022 में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने खुद को तीनों प्रारूपों में उपयोगी खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। वह एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की कप्तानी भी कर चुके हैं। हालांकि, उनकी उपयोगिता केवल अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड तक सीमित नहीं है। उन्होंने दुनिया की कई प्रमुख फ्रेंचाइजी टी-20 प्रतियोगिताओं में भी प्रभाव छोड़ा है। ब्रेसवेल 200 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 135 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 3,600 से ज्यादा रन बनाए हैं। गेंदबाजी में उनके नाम 100 से अधिक विकेट हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग, पाकिस्तान सुपर लीग, मेजर लीग क्रिकेट, द हंड्रेड और सुपर स्मैश जैसी प्रतियोगिताओं में खेल चुके हैं। 2022 के सुपर स्मैश में वेलिंगटन के लिए ब्रेसवेल की नाबाद 65 गेंदों में 141 रन की पारी उनकी बल्लेबाजी क्षमता का शानदार उदाहरण है।

बिजनेस

आरबीआई गवर्नर बुधवार को सुबह 10 बजे करेंगे मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों की घोषणा करेंगे। इसके बाद दोपहर 120 बजे एक प्रेस कांफ्रेंस भी होगी। आर्थिक मामलों के जानकारों ने आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी किये जाने की संभावना जताई है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आर्थिक स्थितियों की समीक्षा और प्रमुख नीतिगत दरों पर निर्णय लेने के लिए सोमवार को मुंबई में अपनी 3 दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू की। रिजर्व बैंक ने कहा कि 07 अक्टूबर को मॉनेटरी पॉलिसी स्टेटमेंट और मॉनेटरी पॉलिसी के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस

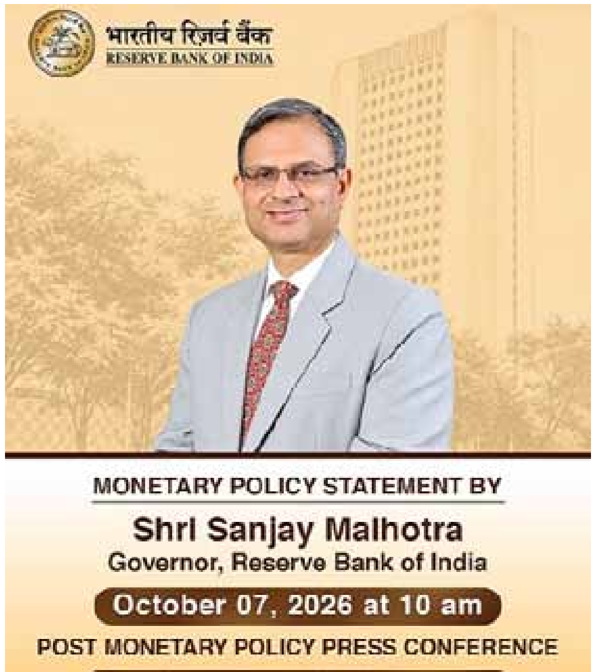

का लाइव स्ट्रीम देखें। लिंक https://youtube.com/live/YzOwHYFuEZQ?si=XMYxl7IArDCRZIxg के जरिए सुबह 10 बजे मॉनेटरी पॉलिसी स्टेटमेंट और दोपहर 12 बजे मॉनेटरी पॉलिसी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए जुड़ें। अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के दोबारा गहराने से पैदा हुए मुद्रास्फीति के दबाव के बीच रिजर्व बैंक अक्टूबर माह की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। इससे पहले ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने अक्टूबर-दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा की बैठकों में नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। आरबीआई ने अगस्त में हुई पिछली एमपीसी बैठक में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। साल 2025 में रेपो रेट में कुल 1.25 फीसदी की कटौती करने के बाद पिछली चार लगातार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा था।

विमान ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर एयरलाइन, तेल कंपनियों से बातचीत जारी: नागरिक उड्डयन मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण विमान ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर मंत्रालय एयरलाइन तथा तेल कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन ने राजधानी नई दिल्ली में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईक्यूएफएम) सम्मेलन से इतर यह बात कही। नायडू ने बताया कि एक जॉइंट वेंचर के जरिए भारत को दो साल के भीतर अपना पहला स्वदेशी सिविलियन एयरक्राफ्ट मिल जाएगा। नायडू ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक यह है कि पश्चिम एशिया संकट एटीएफ की कीमतों पर कितना बोझ डाल रहा है। हम विमानन कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के साथ बातचीत कर रहे हैं।'' नागर विमानन मंत्री ने उम्मीद जताई कि संयुक्त उद्यम के जरिये भारत में दो साल के भीतर पहला स्वदेशी नागरिक विमान तैयार हो जाएगा। नायडू ने यह भी कहा कि सरकार देश में जेट इंजन बनाने की संभावना पर भी विचार करेगी लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। इससे पहले देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने का ऐलान सोमवार को की थी। इंडिगो ने कहा था कि हाल के महीनों में एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है,

खासकर पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति के बाद। एयरलाइन के अनुसार विमान ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है जो हाल में मासिक आधार पर करीब 14 फीसदी से अधिक रही है। इससे एटीएफ की लागत पिछले एक दशक में सबसे ऊंचे स्तरों में पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती हुई कीमतों के कारण विमानन कंपनियों को मुश्किलों का भी सामना करना पड़ रहा है। एटीएफ किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत का करीब 40 फीसदी है।

जीएसटी परिषद की बैठक अब आठ अक्टूबर को होगी, कई अहम बदलाव संभव

एजेंसी, नई दिल्ली । माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित मामलों के सर्वोच्च निकाय जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब सात अक्टूबर की बजाय आठ अक्टूबर को होगी। यह बैठक सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। जीएसटी परिषद सचिवालय ने सोमवार को एक कार्यालय ज्ञापन में कहा कि 'अपरिहार्य परिस्थितियों' के कारण बैठक की तारीख बदल दी गई है। पहले यह बैठक सात अक्टूबर को होने वाली थी। जीएसटी परिषद की बैठक की तारीख में दूसरी बार बदलाव किया गया है। इससे पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के कारण इसे सात अक्टूबर के लिए टाल दिया गया था। नयी दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स सम्मेलन हुआ था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की बैठक में पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने और रिफंड की व्यवस्था में बदलाव पर चर्चा होने का अनुमान है।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व बैंक ने एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच मूडीज तथा एसएंडपी के बाद अब विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी नवीनतम 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया। यह अप्रैल में लगाए गए 6.6 फीसदी से 0.5 फीसदी अधिक है। जीडीपी दर अनुमान में यह इजाफा (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के

कारण की गई है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को अप्रैल के 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है क्योंकि व्यापार एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही है।'' विश्व बैंक की जारी रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआत में ग्रामीण खपत शहरी मांग से आगे रही। इसे कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, ग्रामीण आय सहायता, खाद्य सब्सिडी और कम मुद्रास्फीति से समर्थन मिला है। आयकर में राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद साल के बाकी बचे हिस्से में शहरी खपत मजबूत हुई। इससे अप्रैल के बाद से वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां उम्मीद से बेहतर रही हैं।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 212 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार आज हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को हरे निशान पर खुला। लगातार दूसरे दिन भी बजार में बढ़त देखने को मिल रही है। दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी है। सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा और निफ्टी भी करीब 80 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 212.41 अंक यानी 0.29 फीसदी की उछाल के साथ 72,594.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 79.70 अंक यानी 0.35 फीसदी बढ़कर 22,635.45 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। आज शुरुआती कारोबार में बैंकिंग और बाजार से जुड़े कुछ शेयरों में अच्छी खरीदारी नजर आई। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक और बीएसई के शेयरों में करीब तीन फीसदी तक की बढ़त रही। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 472.77 अंक यानी 0.66 फीसदी की उछाल के साथ 72,382.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 133.80 अंक यानी 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ 22,555.75 अंक पर बंद हुआ था।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 685 अंक उछला, निफ्टी 220 अंक ऊपर

एजेंसी, नई दिल्ली

शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भी बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बाजार के दोनों प्रमुख संवेदी सूचकांक में तेजी रही। सेंसेक्स 685 अंक उछलकर 73,068 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 220 अंकों का इजाफा हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 685.34 अंक यानी 0.95 फीसदी की तेजी के साथ 73,067.81 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 220.35 अंक यानी 0.98 फीसदी बढ़कर 22,776.10 के स्तर पर बंद हुआ। निवेशकों को बिकवाली

के दबाव में कमी आने से कुछ राहत मिली। बाजार में यह तेजी व्यापक स्तर पर देखी गई। आरआईएल और एचयूएल के शेयरों में तीन फीसदी की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे कमजोर होकर 96.43 पर बंद हुआ है। हालांकि, बाजार की चुनौतियां अभी बनी हुई हैं, जिससे निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 472.77 अंक यानी 0.66 फीसदी की उछाल के साथ 72,382.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 133.80 अंक यानी 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ 22,555.75 अंक पर बंद हुआ था।

अर्जुन रामपाल की 3 मंकीज का पहला मोशन-पोस्टर जारी

बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक अब्बास-मस्तान अपनी सस्पेंस, थ्रिलर और एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। 'रेस', 'बाजीगर' और 'हमराज़' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद यह जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के लिए एक जबरदस्त हीस्ट-थ्रिलर लेकर आ रही है। लंबे समय से सुर्खियों में बनी फिल्म '3 मंकीज' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर फिल्म का मोशन-पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें मुख्य कलाकारों की पहली झलक देखने को मिल रही है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया है, जिससे फैंस का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। मोशन पोस्टर में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाली बात अर्जुन रामपाल का लुक और उनका अंदाज है। फिल्म में अर्जुन का किरदार मशहूर स्पैनिश क्राइम-ड्रामा सीरीज 'मनी हीस्ट' के बेहद लोकप्रिय किरदार सर्जियो मार्क्विना यानी 'प्रोफेसर' से प्रेरित बताया जा रहा है। जारी किए गए मोशन पोस्टर में अर्जुन रामपाल हाथ में बंदूक थामे बेहद गंभीर और आक्रामक लुक में नजर आ रहे हैं। उनके साथ तीन अन्य नकाबपोश लोग भी मौजूद हैं, जिनका पहनावा और हाव-भाव पूरी तरह से पेशेवर लुटेरों जैसे लग रहे हैं। पोस्टर का यह नजारा स्पष्ट संकेत देता है कि फिल्म में एक्शन, सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर एक हाई-ऑक्टेन डकैती देखने को मिलने वाली है। अब्बास-मस्तान के निर्देशन की शैली को ध्यान में रखते हुए, दर्शक इसमें कई अप्रत्याशित ट्विस्ट और टर्न्स की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म '3 मंकीज' में सिर्फ अर्जुन रामपाल ही नहीं, बल्कि कलाकारों की एक मजबूत फौज शामिल है। इसमें अर्जुन रामपाल के अलावा मुस्तफा बर्मावाला, विशाल जेठवा, प्रिया प्रकाश वारियर, अनिल बिश्नोई और दिवंगत टुनिशा शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब्बास बर्मावाला के बेटे मुस्तफा बर्मावाला इस फिल्म के जरिए अपनी अभिनय क्षमता दिखाने के लिए तैयार हैं, वहीं 'मर्दानी 2' और 'सलाम वेंकी' फेम विशाल जेठवा और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रिया प्रकाश वारियर भी अपनी छाप छोड़ते दिखेंगे। इस फिल्म में दिवंगत अभिनेत्री टुनिशा शर्मा को भी देखा जा सकेगा, जिन्हें बड़े पर्दे पर आखिरी बार देखना उनके प्रशंसकों के लिए एक भावुक क्षण होगा।

निर्माण और बैकग्राउंड की जानकारी

'3 मंकीज' का निर्माण अल्लारखा वोहरा, फारुक वोहरा और सईद वोहरा ने एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले किया है। फिल्म की पटकथा और ट्रीटमेंट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हीस्ट थ्रिलर्स के समकक्ष रखने की पूरी कोशिश की गई है। अब्बास-मस्तान की जोड़ी काफी समय बाद किसी बड़े पर्दे की हीस्ट फिल्म के साथ वापसी कर रही है, इसलिए इंडस्ट्री और ट्रेड विश्लेषकों की निगाहें भी इस प्रोजेक्ट पर टिकी हुई हैं। फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा करते हुए निर्माताओं ने स्पष्ट किया है कि '3 मंकीज' 4 दिसंबर, 2026 को भारत सहित दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। साल 2026 के अंत में रिलीज होने जा रही यह फिल्म एक्शन और थ्रिलर जॉनर के प्रेमियों के लिए एक बड़ा उपहार साबित हो सकती है।

विक्की कौशल की महावतार में तारा सुतारिया, पीछे छूटीं श्रद्धा कपूर और हरनाज संधू

अभिनेता विक्की कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म महावतार की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, इस महा-फिल्म में लीड हीरोइन के रोल के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। इससे पहले श्रद्धा कपूर और पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू के नाम भी रेस में थे, लेकिन अब तारा सुतारिया ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। निर्देशक अमर कौशिक की इस फिल्म से श्रद्धा कपूर और हरनाज संधू का नाम जुडऩे के बाद अब फिल्म गलियारों में चर्चा है कि विक्की कौशल के अपोजिट रोल के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। अगर बात बन गई तो ये पहला मौका होगा, जब विक्की और तारा किसी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। चर्चा तो ये भी है कि तारा ने इस फिल्म में खासी दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, "महावतार की कास्टिंग को लेकर चर्चाएं पिछले कुछ समय से लगातार बदल रही हैं। तारा का नाम भी निश्चित रूप से सामने आया है। निर्माता एक ऐसी अभिनेत्री को साइन करना चाहते हैं, जो फिल्म की इस भव्य व काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत छाप छोड़ सके और तारा इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। तारा पिछली बार सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आई थीं। बता दें कि मैडॉक फिल्म्सं के साथ छावा के बाद विक्की की ये दूसरी बड़ी फिल्म महावतार होगी, जिसकी शूटिंग जनवरी, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म में विक्की अमर और न्याय के प्रतीक भगवान परशुराम का मुख्य और शक्तिशाली किरदार निभाते नजर आएंगे। विशाल पैमाने पर बनने वाली इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है और इसके जरिए विक्की एक बार फिर अपने नए अवतार से पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं।

सलमान खान की मातृभूमि को सरकार से मिली मंजूरी, इस दिन पर्दे पर लाने की तैयारी

सलमान खान की वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमि का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। नाम बदलने और टीजर पर आई प्रतिक्रियाओं से लेकर कई बार टलने के बाद फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। हालांकि, नई रिपोर्ट के मुताबिक अब ये सारी परेशानियां खत्म हो चुकी हैं। सब कुछ ठीक रहा तो मातृभूमि अगले महीने ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। मातृभूमि की कहानी पहले गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित थी।

चीन के चित्रण को लेकर सरकार की मंजूरी को लेकर फिल्म पर असमंजस बना हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म के नए वर्जन से संतुष्ट है और पिछले हफ्ते इसे एनओसी दे दी है। नया वर्जन पहले से काफी अलग है और इसमें भारत-चीन रिश्तों का सकारात्मक पहलू भी दिखाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने फिल्म के शुरुआती चीन-विरोधी रुख पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद मातृभूमि के कई हिस्से दोबारा शूट किए गए। एक सूत्र ने बताया कि फिल्म का नया वर्जन पहले से काफी अलग है। इसमें अब भारत और चीन के रिश्तों को सकारात्मक नजरिए से भी दिखाया गया है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, वहीं एंटरटेनमेंट पोर्टल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म की रिलीज तारीख भी तय हो चुकी है। सूत्र के अनुसार, सलमान अब इस साल 13 नवंबर को फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि दिवाली के बाद का माहौल इसके लिए एकदम सही रहेगा। हालांकि, अभी सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलना बाकी है। निर्माता जल्द ही फिल्म जमा करेंगे और अगर इसी महीने मंजूरी मिल जाती है तो फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में आ जाएगी। अगले 10 दिनों में स्थिति पूरी तरह साफ हो जाएगी।

संजय दत्त की टिप्पणी से छड़ी सोशल मीडिया में बहस

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अपने बेबाक अंदाज और खुलकर अपनी बात रखने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने भारत में शांति को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसने सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी है। संजय दत्त ने कहा कि उन्हें अब देश में पहले जैसी शांति महसूस नहीं होती और वह भगवान शिव से प्रार्थना करते हैं कि शांति के वे दिन जल्द वापस आएं। संजय दत्त हाल ही में अभिनेता और टीवी होस्ट शेखर सुमन के शो 'शेखर टुनाइट' के गांधी जयंती विशेष एपिसोड में पहुंचे थे। इस दौरान वह अपने लोकप्रिय किरदार 'मुन्ना भाई' के अंदाज में नजर आए। कार्यक्रम में उनसे पांच मिनट के लिए देश का प्रधानमंत्री बनने की कल्पना करते हुए यह बताने को कहा गया कि वह देशवासियों से क्या कहेंगे। इसके जवाब में संजय दत्त ने गंभीर बातों के साथ अपने खास मजाकिया अंदाज का भी इस्तेमाल किया। अपनी काल्पनिक प्रधानमंत्री वाली स्पीच से पहले संजय दत्त ने भारत के लोगों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश के लोग बहुत प्यारे, बड़े दिल वाले और मेहमाननवाज हैं। भारत ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है और लोगों को हमेशा इसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें अब देश में वह शांति महसूस नहीं होती, जो होनी चाहिए। उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना करते हुए कहा कि शांति के पुराने दिन जल्द वापस आएं। इसके बाद संजय दत्त ने प्रधानमंत्री और देश की राजनीति को लेकर कई व्यंग्यात्मक बातें कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वह विदेश यात्रा करने के बजाय देश में ही लोगों के बीच रहना पसंद करेंगे, ताकि जनता और प्रधानमंत्री के बीच संपर्क बना रहे। उन्होंने महात्मा गांधी के तीन बंदरों का जिक्र करते हुए कहा कि आज के समय में केवल बुरा न देखने, बुरा न सुनने और बुरा न बोलने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गलत चीजों को देखकर उन्हें ठीक करने की कोशिश भी करनी चाहिए। संजय दत्त ने नेताओं की तस्वीरों की जगह महात्मा गांधी के विचारों को प्राथमिकता देने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि देश को किसी व्यक्ति की तस्वीर से ज्यादा उसके विचारों को याद रखना चाहिए। अपनी काल्पनिक स्पीच में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी मजाकिया अंदाज में जिक्र किया और दुनिया में तनाव कम करने के लिए 'गांधीगिरी' अपनाने की बात कही। उन्होंने मिसाइलों के बजाय प्यार और शांति का संदेश देने की अपील की। कार्यक्रम में संजय दत्त का यह अंदाज अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है।

नुसरत भरूचा बाली में दुर्घटना के बाद मुंबई लौटीं, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी होगी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा बाली में एक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गईं, जिसके बाद उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। इस चोट के इलाज और सर्जरी के लिए नुसरत को विशेष रूप से एयर एंबुलेंस के जरिए बाली से मुंबई लाया गया है। मुंबई पहुंचने पर उनके कुछ वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिनमें अभिनेत्री ऑक्सीजन सपोर्ट पर नजर आ रही हैं।

उनकी हालत काफी गंभीर बताई जा रही है और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की जाएगी। यह घटना तब हुई जब नुसरत बाली में अपने वर्क कम हॉलिडे ट्रिप पर गई हुई थीं, लेकिन यह छुट्टी उनके लिए एक दर्दनाक अनुभव साबित हुई। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में नुसरत भरूचा की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर

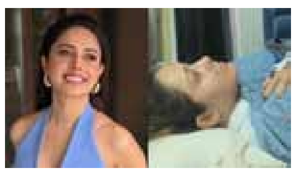

आ गया, जिसके बाद उन्हें बाली के एक स्थानीय अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनकी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए मुंबई के एक अस्पताल में उनकी सर्जरी का निर्णय लिया गया। यही वजह है कि उन्हें विशेष चिकित्सकीय निगरानी में एयरलिफ्ट कर भारत वापस लाया गया। नुसरत की टीम ने पहले ही उनकी तबीयत को लेकर अपडेट दिया था, जिसमें बताया गया था कि उन्हें चोट और सर्जरी की वजह से आराम करने और ठीक होने में समय लगेगा। इसके चलते उनके आने वाले पेशेवर प्रतिबद्धताओं पर भी असर पड़ने की संभावना है। मुंबई में सामने आए दृश्यों में नुसरत भरूचा को होश में देखा जा सकता है, और वे लोगों से बातें करती हुई भी नजर आईं, लेकिन उनकी श्वास संबंधी परेशानी स्पष्ट थी, जिसके चलते उन्हें लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। उन्हें स्ट्रैचर पर ले जाया जा रहा था, और उनके चेहरे पर दर्द और कमजोरी साफ झलक रही थी। इस दौरान उनकी हालत काफी गंभीर नजर आई। हालांकि, नुसरत को यह चोट कैसे लगी, इस बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे फैंस में चिंता बनी हुई है। फैंस और पूरा बॉलीवुड नुसरत के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहा है। प्रोफेशनल फ्रंट पर बात करें तो नुसरत भरूचा हाल ही में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ एक फिल्म में काम करने वाली थीं।

गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं को क्यों होने लगती है भूलने की आदत ?

गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं को भूलने की आदत लगने का अनुभव हो सकता है। यह एक सामान्य समस्या है और इसे लेकर ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनकी वजह से गर्भवती महिलाओं को भूलने की समस्या हो सकती है। इन कारणों को समझकर आप इस स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकती हैं और अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मानसिक स्थिति पर असर डाल सकते हैं। जैसे-जैसे गर्भ बढ़ता है, शरीर में कुछ हार्मोन का स्तर बदलता रहता है। इन बदलावों के कारण महिलाओं को भूलने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति को समझकर आप अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं और जरूरत पडऩे पर डॉक्टर से सलाह ले सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर नींद की कमी का सामना करना पड़ता है। पेट बढऩे और असुविधाजनक महसूस होने के

कारण अच्छी नींद लेना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा रात में बार-बार बाथरूम जाना भी एक बड़ी समस्या होती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं को दिन में थकान और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है, जिससे भूलने की समस्या भी बढ़ सकती है। ऐसे में रोजाना 8 घंटे की नींद सुनिश्चित करें। गर्भावस्था एक सुखद अनुभव होने के साथ-साथ कई चुनौतियों से भरी होती है। इस दौरान तनाव और चिंता होना सामान्य है, लेकिन ये भी भूलने की आदत का कारण बन सकती हैं। आने वाले बच्चे की जिम्मेदारियां, शारीरिक बदलाव और परिवार के अन्य सदस्यों की अपेक्षाएं इन समस्याओं को बढ़ा सकती हैं। इस स्थिति को बेहतर तरीके से संभालने के लिए योग, ध्यान या अन्य आरामदायक गतिविधियों का अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। सही पोषण लेना गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत जरूरी होता है। अगर खाने-पीने में जरूरी विटामिन और खनिजों की कमी हो तो इसका असर दिमाग की कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है, जिससे भूलने की समस्या हो सकती है। इसलिए, गर्भावस्था के दौरान संतुलित आहार लेना बेहद अहम है। इसके अलावा पानी का पर्याप्त सेवन भी जरूरी है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और दिमाग सही तरीके से काम कर सके। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे दिमाग की कार्यप्रणाली धीमी होती जाती है, जिससे भूलने की समस्या बढ़ सकती है। गर्भावस्था के दौरान भी यही सच लागू होता है। युवा महिलाएं कम भूलती हैं, जबकि उम्रदराज महिलाओं को ज्यादा भूलने की समस्या होती है। इसलिए, उम्र का ध्यान रखते हुए अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना जरूरी है, ताकि भूलने की समस्या कम हो सके।

Government set to halt sugarcane juice, B-heavy molasses diversion for ethanol

New Delhi, Agency: Government is set to disallow diversion of sugarcane juice, syrup and B-heavy molasses for ethanol production in the 2026-27 ethanol supply year (ESY) starting November, amid an around 11% shortfall in sugar production from initial estimates for the 2025-26 sugar season and indications of a further decline in output due to drought in major sugarcane-growing states of Maharashtra and Karnataka.

Media has learnt that government will notify the decision soon, ahead of the start of the new ESY. While ethanol supply year runs from Nov 1 to Oct 31, sugar season in India runs from Oct 1 to Sep 30. Government specifies the quantity of sugarcane juice, syrup and B-heavy molasses that can be diverted for ethanol production to meet the mandatory blending target for the green fuel in petrol.

The move comes at a time when domestic sugar supplies remain tight. Mills diverted about 30 lakh tonnes of sugar, or around 10% of total output, for ethanol production during the sugar season that ended on September 30. The new sugar season began on October 1 with opening stocks of around 37.5 lakh tonnes, compared with nearly 50 lakh tonnes a year ago.

Industry sources said there was no scope for allowing further diversion of sugarcane juice, syrup and B-heavy molasses for ethanol, as ensuring adequate domestic sugar supplies remains a priority for both govt and mills. With the possibility of a fall in output in the current season, particularly in Maharashtra and Karnataka, government would prioritise sugar availability over additional diversion for ethanol. Disallowing the use of sugarcane juice, syrup and B-heavy molasses for ethanol in 2026-27 would enable mills to produce more sugar from the available cane, helping augment domestic supplies and meeting consumption requirements.

Government has said that the share of sugar diverted for ethanol has declined from around 12% in 2022-23 to around 9% in 2025-26. Besides, nearly three-fourths of ethanol produced in the country now comes from grains, particularly maize, reducing the dependence on sugar-based feedstock. "Meeting the demand for 20% ethanol blending in petrol won't be an issue. With indications of millers getting a better price, it won't be a problem for them either. Government would have to continue with the ban on exports

'Equal share and equal respect': Congress's reply to Akhilesh's seat-sharing pitch

New Delhi, Agency: Uttar Pradesh Congress in charge Rajendra Pal Gautam on Sunday demanded "equal share and equal respect" for his party amid the ongoing tussle with alliance partner Samajwadi Party over seat sharing for the upcoming assembly polls in the state.

Gautam said that both Congress and SP must move forward together and asserted that both parties should settle the seat sharing issue in October.

"I have been saying from the beginning that there should be equal respect and an equal share. After all, Congress is the country's oldest and largest party. Congress fought the freedom movement and represents the idea of India," Gautam told news agency Media.

"As far as seat-sharing is concerned, I have been saying from the beginning that we should settle the seat-sharing issue completely in the month of October so that every person who is contesting, or will contest, gets enough time to work in their constituency," he added.

The remarks came after Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav said that the larger objective of the alliance should be electoral victory rather than which party is getting how many seats.

In a post on X, Akhilesh said that when the objective is clear and alliance partners work together, the journey towards the goal becomes easier.

"When the goal is clear, hand in hand we stand; when the gaze is fixed on the destination, the journey becomes easy! The big thing isn't how many seats the alliance gets or which seat goes to whom - the big thing is that we all must ensure that the victory belongs to the alliance," Akhilesh said.

"Let us repeat again: It's not about the seats, it's about the victory," he added.

The SP chief said the proposed alliance victory would be larger than the interests of individual parties and linked the effort to issues including communalism, democracy, the Constitution, reservations and social harmony.

"This victory will be greater than the parties in our alliance - it will be the victory of all of us, of that united effort that persists in struggle so that communalism may never raise its head again, so that BJP's influence may not touch democracy, the Constitution, or reservations, and so that the country's harmony may bloom once more, and the nation's progress and prosperity may smile again," he said.

Uttar Pradesh is heading for assembly polls in 2027.

In the 2022 assembly polls, BJP retained power by winning 255 of the 403 constituencies, securing a 41.29 per cent vote share.

Former CM Akhilesh Yadav-led Samajwadi Party came a distant second in the 2022 election, securing 111 seats and getting 32.06 per cent of the votes.

Meanwhile, SP and Congress fought the 2024 Lok Sabha elections in Uttar Pradesh as allies under the INDIA bloc.

The Samajwadi Party (SP) won 37 seats in the 2024 Lok Sabha elections, emerging as the single-largest party in Uttar Pradesh and the third-largest party overall in the 18th Lok Sabha. Congress holds six of the 80 Lok Sabha seats.

'Little bit more involved': Jaishankar says India has 'gone beyond advocacy' to end Russia-Ukraine war

New Delhi, Agency: External affairs minister S Jaishankar on Sunday said that India has stepped beyond traditional advocacy to actively broker peace and operational agreements between Russia and Ukraine.

During the Munich leaders meeting, Jaishankar said that India is actively holding conversations with Russia and Ukraine to end the war, which has stretched on for more than four years.

"Having said that, we are seeing today an unfortunate conflict. Our position on that conflict has been very clear, which is that we would like to see an end to this conflict. This will require dialogue and diplomacy. There has to be negotiations in this regard," Jaishankar said.

"We have been advocating

it for many years, and in recent months we have got a little bit more involved beyond advocacy. We have conversations with both Russia and Ukraine in this regard. We are trying to be helpful, starting with the Black Sea safety of shipping issue, but going beyond that to cover some immediate concerns which both of them have on grain exports, energy exports, non-attack possibilities. Those are ongoing conversations right now," he added.

This comes after a meeting of the consultative committee of the ministry of external affairs on India-Russia relations, where members reviewed New Delhi's active engagement with both Moscow and Kyiv to help end hostilities.

During the review, progress on major transit projects, energy cooperation and strategic connectivity was examined. India reaffirmed that its primary energy objective remains safeguarding the interests of Indian consumers, while both nations underscored a shared ambition to expand bilateral trade and investment in a balanced manner.

India's active mediation efforts have also been acknowledged by key figures on both sides of the conflict.

Ukrainian foreign minister Andrii Sybiha confirmed that India has formally stepped forward to help resolve the conflict, offering what Kyiv considers "the most comprehensive" peace proposal currently under evaluation. Speaking at a press briefing, Sybiha said Kyiv was reviewing four distinct international proposals, including submissions from Turkey, Egypt and the United States.

Bengal to bring law against land and love jihad implement UCC in 6 months: CM Suvendu

New Delhi, Agency: West Bengal chief minister Suvendu Adhikari on Sunday said his government would introduce stringent laws against what he termed "love jihad" and "land jihad" within six months and implement a Uniform Civil Code (UCC) in the state.Speaking at an event marking the birth centenary of former VHP president Ashok Singhal, Adhikari said West Bengal would follow Uttarakhand and Gujarat in implementing the UCC. "Give us six months, will also bring stringent laws against love and land jihad," news agency quoted him as saying. The state government has already set up a high-level committee headed by former Supreme Court judge Justice Ranjana Prakash Desai to examine a draft UCC. The proposed legislation seeks to bring uniformity in civil laws relating to marriage, divorce, inheritance and adoption across communities.

Adhikari said his government would function within the Constitution but would not tolerate attacks on Indian culture, traditions, temples and monasteries. "This government will not allow any anti-national activity here," he said, urging people to remain united and vigilant against what he called "divisive forces". "You can rest assured that the government will function in accordance with the Constitution. But it will not allow any attack on Indian culture, Sanatani traditions, temples and monasteries, and our heritage that spiritual icons Vivekananda and Mahaprabhu Sri Chaitanya have propounded."

The BJP had made implementation of the UCC one of its key promises in the 2026 West Bengal assembly elections.

Ex-Army jawan among 2 held for 'passing' information to Pak on defence movements: Assam CM

New Delhi, Agency: Two people, including a retired Army jawan who was later re-employed on a contractual basis, were arrested in Assam for allegedly sharing security-related information with Pakistan, chief minister Himanta Biswa Sarma said on Sunday. Sarma said the arrests were made by Assam Police based on inputs from central agencies. "Today, as per input of central agencies, the Assam Police arrested two persons. One is a retired army jawan but currently working on a contractual basis with the army," he said at a press conference. "It has been alleged that they were in touch with Pakistan and were giving information about army movement. We will hand them over to the central agencies," news agency quoted Sarma saying.

The chief minister said initial

reports suggested the two suspects were allegedly honey-trapped by individuals seeking to obtain information from them.

Earlier, Assam Police said its special task force had arrested 31-year-old Abhishek Kumar Singh, a Bihar native living in Guwahati, for alleged espionage activities. Singh, who is from Purba Champaran, was suspected of sharing sensitive information about security forces with a Pakistani intelligence operative (PIO).

300 students take on AI, deepfake fraud challenges at BIT Mesra hackathon

Ranchi, Agency: More than 300 students from Birla Institute of Technology (BIT) Mesra took part in in a 24-hour hackathon focused on some of the most pressing challenges emerging from the rapid adoption of artificial intelligence, including high-precision generative AI systems, deepfake-driven insurance fraud and agentic AI applications.The event, Adrosonic Build, organised by technology company Adrosonic, has attracted 106 teams comprising around three students each. Twenty-one teams have been shortlisted for the final round, which began on October 3 and will

conclude with the announcement of results on October 4.

Unlike conventional coding competitions, the hackathon is centred on real-world industry problems. Participants are developing solutions for high-precision Retrieval-Augmented Generation (RAG) systems, AI-powered detection of synthetic identities and deepfake-based insurance claims, and agentic Statement of Values (SOV) intelligence systems for the insurance sector.

Highlighting the broader objective of the initiative, Mayank, founder, CEO and MD of Adrosonic, said the idea was to bring practical industry knowledge, real-world use cases and access to technology leaders into the academic ecosystem so that students can work on problems that mirror actual business and societal challenges.

Faculty members say such platforms are becoming increasingly important as employers seek graduates who can apply technical knowledge to complex situations rather than merely demonstrate theoretical understanding.

"The gap is not in knowledge. It is in applying that knowledge to real-life scenarios, which are more uncertain and complex," said Dr Manish Kumar Pandey, head of the Digital Innovation Lab and Department of Quantitative Economics and Data Science at BIT Mesra.

The hackathon is part of a wider industry-academia partnership between Adrosonic and BIT Mesra that has been underway since 2022.

Uttarakhand CM Dhami, Union ministers Kiren Rijiju and Jual Oram lead massive roadshow, attend 'Aadi Rangotsav Festival' in Khatima

Khatima,Agency: Uttarakhand Chief Minister Pushkar Singh Dhami on Sunday participated in a roadshow organised from Khatima Chowk to TDC Ground in Khatima. Union Ministers Kiren Rijiju and Jual Oram also accompanied him during the roadshow.

Massive crowds were seen lining both sides of the road during the roadshow in the CM's

hometown. After the roadshow, CM Pushkar Singh Dhami also participated as the Chief Guest in 'Uttarakhand Aadi Rangotsav-2026 Khatima', organised by the State Tribal Research Institute from October 4 to 6 at Naveen Mandi, Pilibhit Road, Khatima. Union Ministers Jual Oram and Kiren Rijiju are attending the festival as Special Guests, along with Minister of State Ajay Tamta.

Earlier in the day, Rijiju expressed that he was "looking forward to attending Uttarakhand Adi Rangotsav 2026 and celebrating the diverse cultural heritage and artistic traditions of Devbhoomi." Uttarakhand Chief Minister Pushkar Singh Dhami also chaired a State cabinet meeting at the NHPC complex in Banbasa, Champawat. Notably, this marks the first time a State cabinet meeting is being held outside the capital city of Dehradun, in Banbasa along the Indo-Nepal border.

Justice Bhuyan's remarks prove CEC violated Constitution: Congress

New Dclhi, Agency: Congress on Sunday claimed SC judge Justice Ujjal Bhuyan's remarks on the right to vote conclusively proved that CEC Gyanesh Kumar had violated Constitution.

"Justice Ujjal Bhuyan, a sitting judge of Supreme Court, has been an outspoken champion of environmental protection. Now the courageous jurist has forcefully expressed his view that the right to vote is very much part of the basic structure of Constitution. This conclusively proves that CEC - a constitutional functionary himself - has violated Constitution itself both in letter and spirit," Congress general secretary Jairam Ramesh said on X.

He added, "Justice Bhuyan has said much more and has exposed CEC lock, stock and barrel. Gyanesh Kumar has simply lost all moral right to continue in office."